आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
वर्ष-11 । अंक 156 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण
इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 10 जून, 2025

सोनम ने सुपारी देकर पति राजा की हत्या कराई

सोनम बेवफा और कातिल भी

शहनाई, हनीमून और फिर सब खत्म

इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना ने एक बार फिर से प्यार, भरोसा और सबसे पवित्र रिश्ते को कलंकित करने का काम किया है। अगर कड़ी से कड़ी जोड़कर देखते हुए चलें तो ये पूरा प्रकरण किसी थ्रिलर फिल्म कम नहीं हैं। लेकिन हमें यकीन करना होगा कि ये एक सच्ची घटना है। ये पूरी घटना इंदौर के दो जाने-माने परिवारों की वास्तविक कहानी है। ये परिवार पिछले महीने ही एक नए जोड़े के विवाह का साक्षी बना। दोनों परिवारों ने खुशियां देखीं, सुनहरा भविष्य देखा। हालांकि, ये सब कुछ मेघालय की धुंध भरी पहाड़ियों में एक हत्या का बाद बिखर गया।

सोनम रघुवंशी

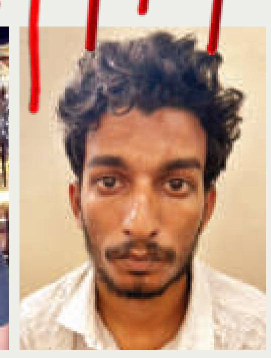
राज कुशवाह

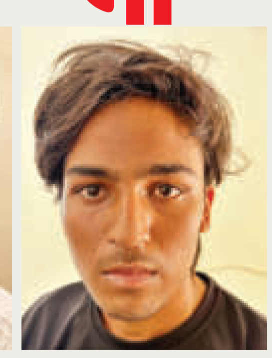
आकाश राजपूत

विशाल चौहान

आनंद कुर्मी

एजेंसी ● गाजीपुर, इंदौर, शिलॉन्ग

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के आरोप में उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी को मेघालय पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है। सोनम को गाजीपुर के वन स्टाप सेंटर में रखा गया था। उसे शिलॉन्ग ले जाया जा रहा है।

इधर, इस मामले में इंदौर से गिरफ्तार तीन आरोपियों राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत को कोर्ट में पेश किया गया। यहां कोर्ट ने उन्हें मेघालय पुलिस की टीम को 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर सौंप दिया है। इंदौर के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि बीना से पकड़ाया गया आरोपी आनंद कुर्मी सोमवार शाम तक इंदौर नहीं पहुंचा पाया है। उसे मंगलवार सुबह कोर्ट पेश किया जाएगा। इसे बाद चारों आरोपियों को सुबह फ्लाइट से शिलॉन्ग लेकर जाया जाएगा।

मेघालय के डीजीपी का कहना है कि सोनम ने ही अपने पति की हत्या कराई थी। पुलिस ने इस मामले में सोनम समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सोनम से पूछताछ की जा रही है।

राजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ सनसनीखेज खुलासा

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में राजा रघुवंशी के शरीर पर धारदार हथियार से वार के निशान मिले थे। लाश को खाई में फेंकने से शरीर की हड्डियां भी टूट गई थीं। शिलॉन्ग एसपी विवेक सिम ने इसकी पुष्टि की थी। पुलिस को घटनास्थल से ही राजा की हत्या में इस्तेमाल हथियार- दाओ भी मिला, जिसे जब्त कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, धारदार हथियार एकदम नया लग रहा है, अंदेशा है कि इसे हत्या के इरादे से ही खरीदा गया था।

भाई बोला- सोनम की गलती हो तो उसे फांसी दे दें

मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद और उनके मामा गाजीपुर पहुंचे। मीडिया ने बयान लेने के लिए उन्हें घेर लिया। गोविंद ने हाथ जोड़ लिए। कहा, जब सोनम ने मुझे फोन किया, तो मैं भावुक हो गया, और बाद में पुलिस को सूचना दी। जब तक मैं उससे (सोनम) नहीं मिल जाता, मैं कुछ नहीं कह सकता। पिछले 72 घंटों से मैं जाग रहा हूं। सोनम के भाई गोविंद ने कहा कि मेरी बहन सोनम ने गलती की हो, वह इस हत्या में शामिल हो तो उसे फांसी की सजा दे दी जाए।

सोनम हत्याकांड में शामिल है तो मौत की सजा हो

इंदौर में राजा रघुवंशी के घर पर लगे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग वाले पोस्टर परिवार ने फाड़कर आग के हवाले कर दिए। परिजन का कहना है कि यदि सोनम इस हत्याकांड में शामिल है तो उसे मौत की सजा होना चाहिए।

रघुवंशी समाज के पूर्व अध्यक्ष बोले-बांग्लादेशी कनेक्शन हो सकता है

मध्यप्रदेश रघुवंशी समाज के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष संदीप रघुवंशी ने कहा- सोनम और राजा प्रकरण में बांग्लादेशी कनेक्शन निकलेगा। ये भी ऑपरेशन सिंदूर जैसा मामला है। ये साफ नहीं हुआ है कि सोनम ने ही राजा की हत्या की है। सोनम को किसी ने अगवा करके रखा था। वो कितनी डरी दिख रही है। हमने केस की सीबीआई जांच की मांग की है।

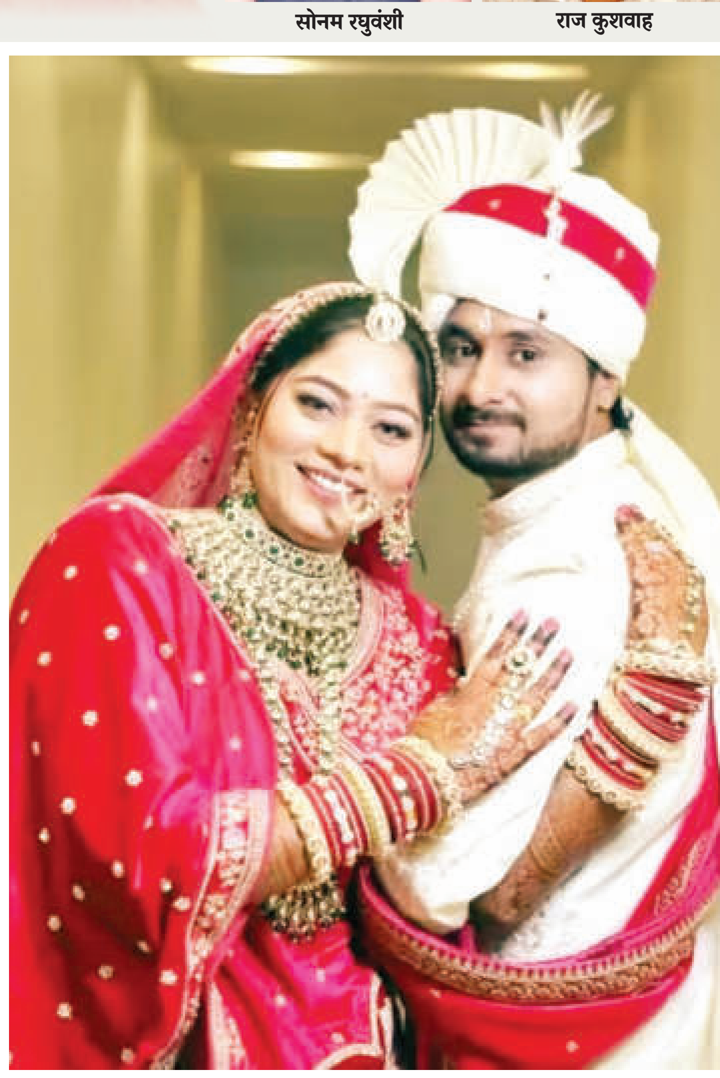

मेघालय में इंदौर के जोड़े के साथ कब-कब क्या हुआ

20 मई: राजा रघुवंशी और उनकी पते सोनम मध्य प्रदेश के इंदौर से असम के गुवाहाटी के लिए रवाना हुए। मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले में पहुंचे।
23 मई : जोड़े ने एक मंदिर में दर्शन किए, फिर चेरापूंजी के पास ओसारा हिल्स पहुंचे। दोपहर में परिजनों से बातचीत के बाद उनका मोबाइल बंद हो गया।
24-25 मई : परिजन लगातार कॉल करते रहे, लेकिन जवाब नहीं मिला। बाद में पता चला कि किराए पर ली गई गाड़ी लावारिस हालत में मिली है।
26 मई : राजा और सोनम के परिजन शिलांग पहुंचे और दोनों के लापता होने की जानकारी मीडिया में आई और पूरे देश में वायरल हुई।
28 मई : जोड़ा जिस होमस्टे में रुके थे, पुलिस को उसकी तलाशी में उनके बैग मिले। खोजी कुत्तों की मदद से अभियान तेज किया गया।
29-30 मई : लगातार बारिश के कारण तलाशी अभियान बाधित रहा। पुलिस इस पूरे मामले को अब तक एक हादसे के रुप में देखती रही।
31 मई-1 जून : जिस स्कूटी से राजा और सोनम निकले थे, उसकी जीपीएस लोकेशन के आसपास जांच के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला।
2 जून : राजा का शव खाई में मिला, जो सड़ चुका था। शव को ड्रोन-खोजी कुत्तों ने ढूंढा। इसे पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवाया गया।
09 जून : सोनम बदहवास हालत में उस जगह से करीब 1100 किलोमीटर दूर गाजीपुर में मिली

5 आरोपी पकड़ाए, 3 राज्यों में रातभर डाली गईं रेड

5 आरोपियों को मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के साथ अलग-अलग जगह रात भर डाली गईं रेड में पकड़ा गया। एमपी के बीना से आनंद कुर्मी को, इंदौर से राज कुशवाहा, विशाल चौहान और उत्तरप्रदेश के ललितपुर के रहने वाले आकाश राजपूत को हिरासत में लिया गया।
सोनम रघुवंशी: सोनम गाजीपुर में एक ढाबे से हिरासत में ली गई। इंदौर की रहने वाली है। राज के संपर्क में आई थी।
राज कुशवाह: इंदौर से गिरफ्तार- यह मूल रुप से बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है। यह सोनम के यहां ही काम करता था।
विशाल चौहान : इंदौर से गिरफ्तार। उप्र के ललितपुर का रहने वाला है। इंदौर कब आया इसकी जानकारी नहीं। ये राज कुशवाह के संपर्क में कैसे आया ये पुलिस को भी नहीं पता।
आकाश राजपूत: इंदौर से गिरफ्तार- विशाल के साथ ही ललितपुर से आया था।
आनंद कुर्मी: बीना (एमपी) - ये इंदौर में रह रहा था, पर हत्या के बाद गांव चला गया था, पुलिस ने वहीं से पकड़ा है।

सिंगापुर के कार्गो शिप में आग लगी, 22 क्रू मेंबर्स में से 5 घायल, 4 लापता

इंडियन कोस्ट गार्ड के 6 शिप रेस्क्यू में जुटे

एजेंसी ● कोच्चि

केरल के कोच्चि में सिंगापुर के कार्गो शिप MV WAN HAI 503 में सोमवार सुबह आग लग गई। घटना के दौरान कार्गो पर 22 क्रू मेंबर्स सवार थे। इनमें से 4 मेंबर्स लापता बताए जा रहे हैं। आग लगने के बाद 18 लोग समुद्र में कूद गए। इनमें कुछ झुलस गए है।

इंडियन कोस्ट गार्ड के मुताबिक, न्यू मंगलौर के पास इंडियन कोस्ट गार्ड के शिप- राजदूत, अर्नवेश, सचेत, समुद्र प्रहरी, राजदूत और सी-144 ने क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू किया। शिप पर 650 कंटेनर थे। हादसे के दौरान लगभग 50 कंटेनर समुद्र में गिर गए। ICG के मुताबिक, कार्गो शिप श्रीलंका के कोलंबो पोर्ट से 7 जून को रवाना हुआ था। इसे 10 जून को नवी मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (न्हावा शेवा पोर्ट) पहुंचना था। डिफेंस के अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार

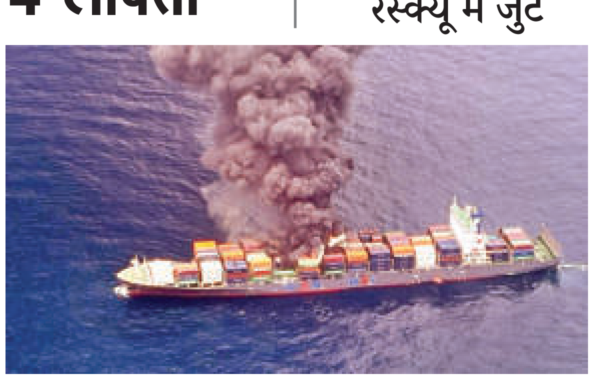

सुबह 10.30 मुंबई मैरीटाइम ऑपरेशन सेंटर ने कोच्चि के मैरीटाइम अधिकारियों के कार्गो में आग लगने की जानकारी दी थी।

ठाणे में लोकल ट्रेनों से यात्री गिरे-4 की मौत, 13 घायल

ठाणे। मुंबई के मुंब्रा रेलवे स्टेशन के नजदीक सोमवार सुबह चलती लोकल ट्रेनों से 10 यात्री नीचे गिर गए। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। मरने वालों में जीआरपी कॉन्स्टेबल भी शामिल है। ये सभी ट्रेन के गेट पर खड़े थे। घटना सुबह 9:30 बजे मुंब्रा के आगे दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच हुई।

ऑफिस टाइम होने के कारण ट्रेन में भीड़ ज्यादा थी, जिससे यह हादसा हुआ। रेलवे के मुताबिक संभवतः ये यात्री ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके हुए थे। विपरीत दिशा में ट्रेनों के नजदीक से गुजरने के समय उनके बैग एक-दूसरे से टकरा गए। पहले खबर आई थी कि हादसा लखनऊ जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस के यात्रियों के साथ हुआ है। यह ट्रेन मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से सुबह करीब 8.30 बजे रवाना हुई थी और घटनास्थल से हादसे के कुछ वक्त बाद गुजरी थी।

नड्डा बोले- पहले की सरकार भ्रष्टाचार-निगेटिविटी से भरी थी

एजेंसी ● नई दिल्ली

मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष

जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने कहा- नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था।

PM बोले- सरकार ने लोगों की जिंदगी आसान बनाई

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया X पर वीडियो पोस्ट किया। साथ ही उन्होंने लिखा, 'हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है।'

A+ ग्रेड मिलने का कोई फायदा नहीं : ढाई हजार से ज्यादा विद्यार्थियों के भविष्य का है सवाल

एजुकेशन हब का ये हाल... DAVV आखिर क्यों है गेस्ट फैकल्टी के भरोसे

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर को मप्र का एजुकेशन हब माना जाता है। यहां पर पढ़ने के लिए देशभर से बड़ी संख्या में छात्र पहुंचते हैं। इधर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सेल्फ फाइनेंस विभागों को शिक्षकों की भारी कमी का सामना कर रहा है। DAVV राज्य का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसे A+ ग्रेड मिला है, लेकिन यहां भी स्थायी शिक्षकों की भारी कमी है।

देखरेख

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को भले ही नैक ने A+ ग्रेड दे दी हो, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की हालत काफी चिंताजनक है। इसके सेल्फ फाइनेंस विभागों की देखरेख अब दूसरे विषयों के सीनियर शिक्षक कर रहे हैं, जिनका उस विषय से सीधा संबंध नहीं है। इससे ना सिर्फ पढ़ाई पर असर पड़ रहा है, बल्कि प्रशासनिक कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज और स्कूल ऑफ कॉमर्स में पढ़ने वाले लगभग ढ़ाई हजार बच्चों का भविष्य विजिटिंग फैकल्टी के भरोसे छोड़ रखा है। इसमें से भी स्कूल ऑफ सोशल साइंस की हालत तो और भी खराब है। यहां पर तो सौ फीसदी विजिटिंग फैकल्टी हैं और एचओडी भी किसी अन्य विभाग के प्रोफेसर को बना दिया गया है। वहीं, जिम्मेदारों का कहना है कि सेल्फ फाइनेंस डिपार्टमेंट में रिक्त पदों की स्वीकृति के लिए वे शासन से लंबे समय से पत्राचार कर रहे हैं। साथ ही प्रस्ताव बनाकर भी भेज रखा है, लेकिन अभी तक पद स्वीकृत नहीं हुए हैं।

सरकारी कॉलेजों में 300 से भी ज्यादा पद हैं खाली– उच्च शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इंदौर के सरकारी कॉलेजों में 300 से ज्यादा टीचिंग की पोस्ट खाली है। इसमें डीएवीवी के सेल्फ फाइनेंस विभाग के भी रिक्त पद शामिल हैं। इससे यहां के बच्चों की पढ़ाई और शोध कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। यह समस्या काफी लंबे समय से बनी हुई है, जिसकी वजह से कॉलेजों को गेस्ट फैकल्टी (अतिथि शिक्षक) पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा असर हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र और कॉमर्स पर

रेग्लूयर फैकल्टी के रिक्त पदों के कारण इसका सबसे ज्यादा असर उन छात्रों पर पड़ रहा है जो अंग्रेजी, अर्थशास्त्र और कॉमर्स जैसे विषयों की पढ़ाई कर रहे हैं। इन विषयों में स्थायी शिक्षक ना के बराबर हैं, जिससे पढ़ाई की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ रहा है। DAVV का इंजीनियरिंग कॉलेज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (IET) जिसे राज्य का बेहतरीन तकनीकी संस्थान माना जाता है, वहां भी स्थायी शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है।

दो रेग्लूयर, बाकी गेस्ट फैकल्टी के भरोसे पूरा डिपार्टमेंट

स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस की एचओडी प्रीति सिंह का कहना है कि मेरे अलावा एक रेग्लूयर लेक्चरार डॉ. रुपाली सारे हैं। डिपार्टमेंट में स्टूडेंट 500 हैं। इनकी पढ़ाई का जिम्मा हमारे अलावा गेस्ट फैकल्टी या फिर विजिटिंग फैकल्टी के भरोसे है। हमारे पास पीएचडी के लिए हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, मराठी के बच्चे आते हैं। ऐसे में 150 के करीब बच्चे तो पीएचडी वाले ही है। इसके अलावा एमए हिंदी और एमए अंग्रेजी के बच्चे भी लगभग 80 के करीब हैं। पीजी डिप्लोमा ट्रांसलेशन का काम भी चलता है, जिसके लगभग 60 बच्चे हैं। वहीं, कुछ अन्य बच्चे भी हैं। लगभग 14 गेस्ट फैकल्टी आती है, जिनकी सहायता से बच्चों को पढ़ाया जाता है।

सौ फीसदी विजिटिंग फैकल्टी के भरोसे

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के एचओडी कपिल शर्मा का कहना है कि हमारे डिपार्टमेंट में तो सभी फैकल्टी विजिटंग हैं। मैं स्वयं रेग्लूयर भले ही हूं, लेकिन मैं तो मैनेजमेंट डिपार्टमेंट से हूं। यहां पर 850 से ज्यादा छात्र हैं, जो कि 9 प्रोग्राम 4 यूजी और 5 पीजी में पढ़ाई कर रहे हैं। यहां पर रेग्यूलर टीचर एक भी नहीं है। यह पूरी तरह से विजिटिंग फैकल्टी के भरोसे चल रहा है। मैं तो डीएवीवी के आईएमएस के मैनेजमेंट डिपार्टमेंट का हूं। मेरा तो कोई विषय ही नहीं है, मुझे तो बस इसे संभालने के लिए यहां पर भेज दिया गया है। मैं तो कई बार बोल चुका हूं कि मुझे वापस मेरे डिपार्टमेंट में भेज दें। इस डिपार्टमेंट में रेग्लूयर फैकल्टी के लगभग 30 पदों हैं, जिनके लिए शासन को भेजा जा चुका है।

7 रेग्लूयर फैकल्टी, बाकी गेस्ट फैकल्टी से पढ़ा रहे

स्कूल ऑफ कॉमर्स के एचओडी सुरेश पाटीदार का कहना है कि हमारे डिपार्टमेंट में चार रेग्यूलर फैकल्टी सुगनीदेवी से आए हैं । कुल 7 फैकल्टी हैं और बाकी का काम हम विजिटिंग या फिर गेस्ट फैकल्टी से करवा लेते हैं। हमारे यहां पर 1000 के करीब छात्र हैं। हालांकि जूनियर रिसर्च फैलो भी फुल टाइम के लिए मौजूद रहते हैं। बाकी और लगभग 15 विजिटिंग फैकल्टी के अपॉइंटमेंट के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। डीएवीवी के रजिस्ट्रार अजय वर्मा का कहना है कि स्कूल ऑफ लैंग्वेज में पिछले साल एक फैकल्टी की नियुक्ति की जा चुकी है। इसके अलावा एक एचओडी भी हैं, जो कि रेग्यूलर हैं। ये जो सेल्फ फाइनेंस के डिपार्टमेंट हैं इनमें पद शासन से स्वीकृत होते हैं। कई विभागों में पद स्वीकृत हैं, लेकिन कई विभागों में पद स्वीकृत ही नहीं हैं।

शॉट न्यूज

सड़क हादसे में डेढ़ लाख तक का खर्च उठाएगी सरकार

इंदौर। सड़क दुर्घटना में घायलों को अब अस्पतालों में तुरंत उपचार मिल सकेगा। उपचार का डेढ़ लाख रुपये तक का खर्च सरकार उठाएगी। यह सुविधा भारत सरकार द्वारा शुरू की गई कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025 के तहत मिलेगी। प्रदेश में इस योजना को लागू किया जा रहा है। बता दें कि योजना का लाभ इंदौर के सभी अस्पतालों में मिलेगा और घायलों का कैशलेस उपचार हो सकेगा। इससे सड़क हादसे में घायल को जल्द शुरुआती उपचार मिल सकेगा और उसकी जान बचाई जा सकेगी। इंदौर के सभी अस्पतालों को इसके लिए पंजीयन करना होगा, ताकि उनको उपचार के बाद भुगतान मिल सके। इंदौर जिले में कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025 के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी अस्पताल संचालकों की बैठक ली।

राजीनामें से मना करने पर पिता-पुत्रों ने किया हमला, दो घायल

इंदौर। महू थाना क्षेत्र में चाचा भतीजे पर बाप ने अपने बेटों के साथ मिलकर हमला किया और धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने फरियादी सुधीर पिता रामचंद्र परदेसी निवासी जनपद चौराहा की रिपोर्ट पर आरोपी दीपक पिता लक्ष्मण और उसके बेटे देवेश एवं कृष्ण के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। फरियादी सुधीर के मुताबिक में घर के बाहर खड़ा था तभी देवेश आया और बोला कि तीन दिन पहले हुए झगड़े में राजीनामा कर लो मैंने मना कर दिया तो उसने गालियां दी। गाली देने से मना किया तो उसने मेरे सिर पर बेसबल के डंडे से हमला कर दिया। इसी दौरान उसका भाई कृष्ण और पिता दीपक भी आ गए तीनों ने मिलकर डंडे से बुरी तरह से पीट दिया बचाने भतीजा हिमांशु आया तो उसे पर भी हमला किया और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। महू पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

अवैध वसूली के लिए बदमाशों ने किया हमला

इंदौर। आजाद नगर इलाके में शराब पीने के लिए रुपयों की मांग करते हुए बदमाशों ने रुपये नही मिलने पर एक व्यक्ति को पिट पीटकर जमीन पर पटक दिया और उसपर नुकीले हथियार से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने फरियादी सुरेश पिता जगगनाथ जिजोलीया निवासी शिव नगर मूसाखेड़ी की शिकायत पर मनोज काला निवासी बिचौली मर्दाना व सन्नी निमोरे निवासी आलोक नगर के खिलाफ केस दर्ज किया हैं।फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी मनोज उर्फ काला व सन्नी मेरे घर पर आये ओर बोले मूसाखेड़ी क्षेत्र में हमारा नाम चलता है। यहां पर रहना है तो पांच सौ रुपये हमें दारु पीने के लिये देना पडेंगे। इसपर मेंने बोला कि मेरे पास अभी रुपये नही है तो दोनों मुझे गालिया देने लगे।जब मैने गालिया देने से मना किया तो मनोज उर्फ काला व सन्नी ने मेरे साथ मारपीट कर जमीन पर गिरा दिया।

अमेरिका में सैमसंग यूज़र्स के लिए नया एआई शॉपिंग अनुभव लॉन्च

ग्लांस और सैमसंग ग्लैक्सी स्टोर ने मोबाइल कॉमर्स को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए साझेदारी की

एजेंसी ● नई दिल्ली

गूगल समर्थित कंज्यूमर टेक्नोलॉजी कंपनी ग्लांस ने अमेरिका में सैमसंग यूज़र्स के लिए खासतौर पर डिज़ाइन किया गया ग्लांस एआई का इंटीग्रेटेड लॉक स्क्रीन वर्शन लॉन्च किया है। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत सैमसंग यूज़र्स को ग्लांस के एआई शॉपिंग और स्टाइलिंग अनुभव तथा कंटेंट डिस्कवरी का एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलेगा। ग्लांस एआई एक नया एआई कॉमर्स प्लेटफॉर्म है जो प्रेरणादायक, जनरेटिव एआई -आधारित कॉमर्स और कंटेंट डिस्कवरी प्रदान करता है। इस महीने की शुरुआत में लॉन्च हुआ ग्लांस एआई, उपभोक्ताओं की शॉपिंग की आदतों को बदल रहा है, जिससे वे एआई -क्यूरेटेड स्टाइलिश लुक्स में खुद को तुरंत देख सकते हैं और पसंद आने पर एक टैप में खरीद सकते हैं। Google Gemini की इंटेलिजेंस और Imagen की अत्याधुनिक इमेज जेनरेशन क्षमताओं पर आधारित, ग्लांस एआई अब सैमसंग यूज़र्स के लिए कस्टम लॉक स्क्रीन अनुभव पेश कर रहा है।

लॉन्च

ग्लांस और InMobi के संस्थापक और सीईओ नवीन तिवारी ने कहा, ' ग्लांस एआई एक मूल मानवीय सत्य से प्रेरित है: हम खुद का सबसे अच्छा संस्करण बनना चाहते हैं। इस आकांक्षा और वास्तविकता के बीच जो चीज़ है, वह है संभावनाओं की जानकारी या ऐसे प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच। ग्लांस एआई उपभोक्ताओं को यह खोजने और देखने में मदद करता है कि क्या संभव है, शुरुआत एक ऐसे आउटफिट से होती है जो उन्हें शानदार महसूस कराए, और वे उसे प्लेटफॉर्म पर सिर्फ एक टैप में खरीद सकते हैं। अमेरिका में सैमसंग के डिवाइसेज़ पर ग्लांस एआई को सक्षम करने की प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि उपभोक्ताओं को एक ऐसा अनुभव मिले जिसमें प्रेरणादायक कॉमर्स और कंटेंट मिलते हैं।'ग्लांस एआई एक ऐप और लॉकस्क्रीन अनुभव दोनों के रूप में उपलब्ध है, और यह पूरी तरह से ऑप्ट-इन है। यह एक सेल्फी या गैलरी से इमेज लेकर यूज़र के लिए सबसे उपयुक्त आउटफिट्स में हाइपर-रियल इमेजेज जेनरेट करता है। उपभोक्ता रीयल-टाइम में खरीदारी के फैसले ले सकते हैं; सिफारिशें और ऑर्डर फुलफिलमेंट ग्लांस एआई की 400 से अधिक प्रमुख ब्रांड्स के साथ साझेदारी से संचालित होती हैं। ऐप यूज़र्स को इस फीचर को सीधे लॉक स्क्रीन पर रखने, हर लुक को वॉलपेपर के रूप में सेव करने या डाउनलोड कर नेटवर्क में शेयर करने की सुविधा देता है।

ग्लांस एआई ट्रेंडिंग कंटेंट, लोकल इवेंट्स और सोशल मीडिया मोमेंट्स का भी उपयोग करता है ताकि सिफारिशें हमेशा ताज़ा, प्रासंगिक और आकर्षक रहें। हाई-स्पीड इंफरेंसिंग की मदद से फ्लैश सेल्स और ट्रेंड-ड्रिवन कॉमर्स जैसे विकल्प मिलते हैं, जिससे हर शॉपिंग अनुभव अनूठा और आसान बनता है। सैमसंग की व्यापक पहुंच और एआई की शक्ति का उपयोग करके, ग्लांस यूज़र के स्मार्टफोन इंटरैक्शन को फिर से परिभाषित करना चाहता है। सैमसंग गैलेक्सी स्टोर यूएसए के सीनियर डायरेक्टर और हेड, जेसन शिम ने कहा, 'सैमसंग गैलेक्सी स्टोर में हम सिर्फ एक ऐप मार्केटप्लेस नहीं हैं – हम गैलेक्सी यूज़र्स के लिए नवाचार, खोज और सार्थक अनुभवों का गंतव्य हैं। ग्लांस एआई उच्च गुणवत्ता और अनूठी सामग्री का बेहतरीन उदाहरण है जिसे हम देना चाहते हैं। एआई का उपयोग करके लॉक स्क्रीन पर कंटेंट और शॉपिंग को पर्सनलाइज़ करना, एक स्मार्ट और डायनामिक अनुभव लाता है जो गैलेक्सी स्टोर की फॉरवर्ड-थिंकिंग स्पिरिट को दर्शाता है।

सान्त्रागाछी–अजमेर स्पेशल एक्सप्रेस का परिचालन बढ़ा

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल मंडल द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष ट्रेनों के संचालन एवं विस्तार के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 08611/08612 सांतरागाछी–अजमेर–सांतरागाछी साप्ताहिक विशेष एक्सप्रेस के संचालन को यात्रियों की बढ़ती मांग के मद्देनज़र विस्तारित किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने जानकारी दी कि: गाड़ी संख्या 08611 सांतरागाछी–अजमेर स्पेशल एक्सप्रेस अब 30 जून 2025 तक चलेगी। गाड़ी संख्या 08612 अजमेर–सांतरागाछी स्पेशल एक्सप्रेस का संचालन 03 जुलाई 2025 तक किया जाएगा। यह विशेष गाड़ी भोपाल मंडल के अशोकनगर, गुना एवं रुठियाई स्टेशनों से होकर गुजरती है| यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सांतरागाछी जंक्शन, खड़गपुर जंक्शन, टाटानगर जंक्शन, चांडिल जंक्शन, मूरी, रांची, लोहरदगा, टोरी, लातेहार, बरवाडीह जंक्शन, डाल्टनगंज, गढ़वा रोड जंक्शन, रेनुकूट, चोपन, सिंगरौली, बरगवां, सारईग्राम, ब्यौहारी, खन्ना बंजारी, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना मालखेड़ी, अशोकनगर, गुना, रूठियाई, अटरू, बारां, सोगरिया, बूंदी, मांडलगढ़, चदेरिया, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, एवं अजमेर जंक्शन पर ठहराव लेती है| रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले संबंधित तिथि, समय एवं स्टेशन जानकारी की पुष्टि रेलवे की अधिकृत वेबसाइट अथवा 139 सेवा के माध्यम से करें।

कर्ज मुक्त कंपनी ने बिक्री में 104% और शुद्ध लाभ में 62% की 5-वर्षीय CAGR हासिल की

आयुष आर्ट एन्ड बुलियन लि. के 1000% की वृद्धि के साथ रू. 73.77 करोड का राजस्व दर्ज किया गया

कंपनी ने वित्त वर्ष 25 के लिए 1.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह 26 लाख रुपये था

एजेंसी ● मुंबई

आयुष आर्ट एंड बुलियन लिमिटेड (बीएसई: 540718), जिसे पहले AKM क्रिएशंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, उसने 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए FY25 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 25 के लिए अपने समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने अपने मुख्य खंडों में मजबूत मांग और रणनीतिक व्यावसायिक पहलों के दम पर राजस्व और प्रोफिटेबलिटी में नोंधपात्र वृद्धि दर्ज की है। यह कंपनी के अनुशासित वित्तीय प्रबंधन और विकास के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए, कंपनी ने ओपरेशन्स से 73.77 करोड़ रुपये के राजस्व की सूचना दी, जो वित्त वर्ष 24 में दर्ज 7.33 करोड़ रुपये की तुलना में Y-o-Y 10 गुना वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 में 1.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 24 में 26 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यह Y-o-Y लगभग 700% की वृद्धि दर्शाता है। वित्त वर्ष 24 में प्रति शेयर आय (EPS) 0.21 रुपये की तुलना में 1.81 रुपये थी।

घोषणा

पिछले पांच वर्षों में स्ट्रोंग ग्रोथ के साथ, 104% की सेल्स CAGR और 62% के शुद्ध लाभ के साथ, कंपनी मार्च 2025 तक कर्ज मुक्त हो गई। मार्च 2025 तक, प्रमोटर समूह की हिस्सेदारी 20.71% (31.70 लाख शेयर होल्डिंग) थी, जो मार्च 2024 तक 7.01% (8.70 लाख शेयर होल्डिंग) दर्ज की गई थी।

आयुष आर्ट एंड बुलियन लिमिटेड के कंपनी मेनेजमेन्ट ने कहा, 'वित्त वर्ष 25 आयुष आर्ट एंड बुलियन लिमिटेड के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष रहा है, जिसमें मजबुत राजस्व वृद्धि और लाभप्रदता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह प्रदर्शन हमारे स्ट्रेटेजिक ईनिशिएटिव, डिसिप्लिनन्ड फाईनान्शियल मेनेजमेन्ट और हमारी समर्पित टीम के प्रयासों का प्रमाण है। जैसे-जैसे हम सस्टेनेबल प्रोफिटेबलिटी की ओर बढ़ रहे हैं, हम अपने व्यवसाय को जिम्मेदारी से बढ़ाने, अपने हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने और विकास और नवाचार की अपनी यात्रा जारी रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।' 31 मार्च, 2025 (1 अक्टूबर, 2024 - 31 मार्च, 2025) को समाप्त छमाही के लिए, कंपनी ने 47.19 करोड़ रुपये का कुल राजस्व दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 25 के पहले छह महीनों (1 अप्रैल, 2024 - 30 सितंबर, 2024) के 26.58 करोड़ रुपये के कुल राजस्व की तुलना में साल-दर-साल 77% की वृद्धि दर्शाता है। H2 FY25 में कंपनी का नेट प्रोफिट रू. 1.56 करोड रहा था, जो H1FY25 के दौरान रू. 24 लाख दर्ज कीया गया था। H2 FY25 में EPS रू. 1.02 रहा था, जो H1 FY25 के दौरान रू. 0.17 दर्ज हुआ था।

भाभा विश्वविद्यालय भोपाल की इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के अंतिम वर्ष के छात्र छात्राएं का फेयरवेल

संवाददाता ● भोपाल

भाभा विश्वविद्यालय भोपाल की इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के विभाग के अंतिम वर्ष के छात्र छात्राएं बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग) का एकेडमिक पूर्ण करने के उपरांत यह कहें की उनकी कॉलेज लाइफ का स्वर्णिम दिन रहा जहां वह विश्वविद्यालय से बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त करेंगे एवं राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे l इस अवसर पर उनकी खुशी एवं जोश दुगना हो गया जब भाभा विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ.एन के अग्रवाल स्वयं उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं को अपना आशीष दिया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की l किसी भी संस्था को गौरवान्ति होने का समय होता है जब वहां के छात्र-छात्राओं को प्रति कुलपति जी का आशीष प्राप्त हो इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के डीन डॉ अशोक कुमार झाला ,विभागाध्यक्ष प्रो . सुरेश गावंडे, प्रो संजीव श्रीवास्तव ,प्रो. शेर सिंह महत्वपूर्ण रुप से उपस्थित रहे एवम सभी छात्र-छात्राओं को बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।हम आशा करते हैं की राष्ट्र निर्माण में आपका योगदान रहेगा आप अपने माता-पिता एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

के.सी.मिश्रा आपदा एवं संकट प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी मुख्यालय में पदस्थ महाप्रबंधक (एस.एम.एण्ड ओ.) श्री के.सी. मिश्रा को आपदा एवं संकट प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंपनी द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी द्वारा प्राकृतिक आपदाओं, विद्युत दुर्घटनाओं एवं बिजली आपूर्ति में आने वाले व्यवधान जैसे संकटों से निपटने के लिए त्वरित कार्यवाही कर कंपनी के कर्मचारी, उपकरण और बुनियादी ढांचे को सुरक्षित और संचालित रखना सुनिश्चित किया जाएगा।

एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की

ईडीआईआई ने पीजीडीएम एंटरप्रेन्योरशिप-पीजीडीएम इनोवेशन

एजेंसी ● अहमदाबाद

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने शैक्षणिक सत्र 2025–27 के लिए अपने दो वर्षीय पूर्णकालिक पीजीडीएम कार्यक्रमों — पीजीडीएम - एंटरप्रेन्योरशिप (पीजीडीएम-ई) और पीजीडीएम - इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड वेंचर डेवलपमेंट (पीजीडीएम-आईईवी) के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्रक्रिया

एआईसीटीई अनुमोदन द्वारा समर्थित, पीजीडीएम-ई और पीजीडीएम-आईईवी कार्यक्रम इच्छुक उद्यमियों, इनोवेटर्स और भावी बीजनेस लीडर्स के लिए एक सशक्त प्रारंभिक मंच के रूप में तैयार किया गया हैं, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ते हैं। ईडीआईआई का उद्यमिता पर केंद्रित दृष्टिकोण इसके पूर्व छात्रों की उपलब्धियों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है, जहां लगभग 78% स्नातक उद्यमिता को अपने करियर के रूप में चुनते हैं। इनमें से 54% ने अपने पारिवारिक व्यवसाय में भागीदारी की है या उसे आगे बढ़ाया है, 23% ने स्वतंत्र रूप से अपने उद्यम शुरू किए हैं, और 1% ने सामाजिक उद्यमों की स्थापना की है।

माइलस्टोन-आधारित लर्निंग दृष्टिकोण के साथ, पीजीडीएम एंटरप्रेन्योरशिप छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और प्रतिष्ठित उद्यमियों, विशेषज्ञों, निवेशकों और अनुभवी पेशेवरों के

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

मार्गदर्शन के माध्यम से अपनी उद्यमिता यात्रा को अनुकूलित करने में सक्षम बनाता है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी है, जो नए उद्यम शुरू करना चाहते हैं, पारिवारिक व्यवसाय को विस्तार देना चाहते हैं या प्रभावशाली सामाजिक उद्यमों का निर्माण करना चाहते हैं। ईडीआईआई न्यू एंटरप्राइज क्रिएशन, फैमिली बिज़नेस मैनेजमेंट और सोशल एंटरप्रेन्योरशिप में विशेषताएं प्रदान करता हैं, जिससे छात्रों को अपनी उद्यमशीलता की यात्रा को आकार देने में स्वतंत्रता मिलती है।

पीजीडीएम–आईईवी तकनीकी इनोवेटर्स के लिए उद्देश्यपूर्ण रूप से तैयार किया गया कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य विचारों को स्केलेबल उद्यमों में परिवर्तित करना है। गहन और व्यावहारिक लर्निंग वातावरण के साथ, छात्र ईडीआईआई के इन-हाउस टेक्नोलॉजी बिज़नेस इनक्यूबेटर – सेंटर फॉर एडवांसिंग एंड लॉन्चिंग एंटरप्राइजेज (क्रैडल - CrAdLE) से लाभ मिलता हैं, जो न केवल उद्योग का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को निवेश के लिए तैयार करने हेतु स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (SSIP), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (SISFS), एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम और आंबेडकर सोशल इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन मिशन (ASIIM) जैसी योजनाओं के माध्यम से संरचित सहयोग भी प्रदान करता है। 'ईडीआईआई में पीजीडीएम कार्यक्रम अनुभवात्मक शिक्षण पर आधारित हैं और भारत के बदलते उद्यमिता परिदृश्य को दर्शाते हैं। हमारा उद्देश्य भावी रोजगार सृजकों की प्रतिभा और कौशल को निखारना है, ताकी वे सही संसाधनों, गहन जानकारी और मार्गदर्शन से अपने विचारों को व्यवहारिक और स्केलेबल उद्यमों में बदल सकें। चाहे आप एक स्टार्टअप शुरू करना चाहते हों या पारिवारिक व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हों – ईडीआईआई वह स्थान है जहां से आपकी यात्रा आरंभ होती है।' डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा।

लापरवाही की गंदगी...

हाथीपाला में नगर निगम की लापरवाही के कारण व्यापारी और आम लोगों को सड़क आधी अधूरी खुदी पड़ी है... वहीं ओवरफ्लो चैंबर से निकल रहे गंदे पानी की बदबू से रहवासी और दुकानदार बुरी तरह परेशान हैं।

शॉट न्यूज

दक्षिणा को लेकर विवाद, पंडित से मारपीट कर कुर्ता फाड़ा

इंदौर। लसूड़िया इलाके में दक्षिणा को लेकर विवाद करते हुए वर पक्ष के लोगों ने पंडित के साथ मारपीट करते हुए उसका कुर्ता फाड़ डाला। पुलिस के मुताबिक घटना अंनत वाटिका महालक्ष्मी नगर की हैं। मामले में फरियादी धीरेंद्र पिता धनुराम शुक्ला निवासी परदेशीपुरा की शिकायत पर पंकज गौतम व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मेरे परिचीत कात्यायनी मिश्रा के यहां पर उनकी लडकी की शादी में पूजा के लिए अनंत वाटिका महालक्ष्मी नगर गया था। जहां पर दक्षीणा की बात को लेकर वर पक्ष के पंकज गौतम एवं उसके परिजन मेरे संग अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गालिया देने लगे तब मैने बोला की दक्षीणा देना हो तो दो शुभ कार्य हो रहा है तुम क्यो मुझे गाली बक रहे हो तब पंकज गौतम एवं उसके परिजन द्वारा मेरे साथ झुमाझटकी कर लातठूंसों से मारपीट की गई और मेरा कुर्ता पकडकर फाड़ दिया ।

नाबालिग से मारपीट कर लूटपाट

इंदौर। खजराना इलाके में मेला ग्राउंड के सामने एक नाबालिग को रोककर बदमाशों ने मारपीट कर नकदी और सोने की चेन लूट ली।पुलिस मामले में लुटेरों की तलाश कर रही हैं। पुलिस के मुताबिक घटना महालक्ष्मी रोड मेला ग्राउंड के सामने की हैं।मामले में तेली बाखल मल्हारगंज निवासी 17 वर्षीय नाबालिग की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।फरियादी नाबालिग के साथ अज्ञात बदमाशों ने मारपीट करते हुए 3 हजार नगदी व सोने की चेन लूट ली।पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान हो सके।

बहन को भगाकर ले जाने का आरोप लगाकर पीटा

इंदौर। बाणगंगा इलाके में एक युवक पर बहन को भगाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए उसकी पिटाई कर दी गई।युवक किसी भी लड़की को भगाकर ले जाने से इंकार करता रहा लेकिन आरोपियों ने उसकी एक न सुनी और जमकर मारपीट कर डाली। पुलिस के मुताबिक गोविंद कालोनी निवासी दीपक पिता पुरुषोत्तम नागर की शिकायत पर जितेंद्र सूर्यवंशी,अमन सेन व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं।फरियादी दीपक ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि मेरे घर के बाहर कुछ लोग आये जिनका मै नाम नही जानता हूं और वो आपस मे एक दूसरे का नाम जितेन्द्र सूर्यवंशी और अमन सेन बोल रहे थे और बोले कि तुम मेरे बहन को भगा कर ले गये तो मैने कहा कि मै किसी लड़की को भगा कर नही ले गया। इसी बात को लेकर वो लोग मुझे गालियां देने लगे ।जब मैने गालियां देने से मना किया तो जितेन्द्र सूर्यवंशी,अमन सेन व उसके साथी हाथ मुक्के ,बेल्ट औऱ लात से मुझे मारा जिससे मेरे नाक, बांयी आंख ,सिर औऱ बांये पैर मे चोट आयी है।

कैसे होगा डिजिटाइजेशन तीन महीनों में भी नहीं हो सका उच्च परसेंट भी डाटा स्कैन

निगम में कई विभागों का मिल ही नहीं रहा रिकॉर्ड

संवाददाता ● इंदौर

रिकॉर्ड

नगर निगम का रिकॉर्ड डिजिटलाइज्ड करना एक टेढ़ी खीर साबित हो रही है। कारण यह है कि वर्षों पुराने रिकॉर्ड को स्कैन करना और उसे डिजिटल बनाना तो ठीक है, लेकिन रिकॉर्ड ढूंढना ही बड़ी मशक्कत का कार्य है। बताया जा रहा है कि कई विभागों के पुराना रिकॉर्ड मिल ही नहीं रहे हैं। वही बिल्डिंग परमिशन, कॉलोनी सेल जैसे बड़े विभागों के पुराने दस्तावेज तो महीना तक स्कैन ही हो सकेंगे। ऐसे में अन्य विभागों का नंबर भी लेट आएगा। तीन माह हो चुके हैं रिकॉर्ड डिजिटलाइज्ड करने की शुरुआत को, लेकिन अभी तक कुछ परसेंट दस्तावेज भी स्कैन होना नहीं पाए गए हैं।

जानकारी अनुसार जन कार्य विभाग, कॉलोनी सेल, बिल्डिंग परमिशन जैसे कई अन्य विभाग हैं, जिनका दाता बहुत विशाल है। कार्य अधिक होने के साथ ही यहां हर महीने हजारों की संख्या में नई फाइलें आती हैं। नई फाइल है तो ठीक है लेकिन बरसों पुराना रिकॉर्ड इन विभागों में ढूंढना किसी चुनौती से काम नहीं है। निगम के डिजिटाइजेशन में इन विभागों का पुराना डाटा कलेक्ट करना ही सबसे बड़ी परेशानी का सबब है। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि कई विभागों का डाटा व्यवस्थित नहीं है। इसे स्कैन करने से पहले कलेक्ट करना और जमाना भी लंबी मशक्कत का कार्य है। यही कारण है कि करीब 3 महीने होने पर भी कुछ परसेंट डाटा ही स्कैन हो पाया है। सूत्र बताते हैं कि यदि किसी स्पीड से चले तो निगम का रिकॉर्ड डिजिटलाइज करने में महीना बीत जाएंगे। हाला कि यदि एक बार रिकॉर्ड डिजिटलाइज्ड हो गया तो आगे परेशानी नहीं आएगी। आम लोगों को भी इसे सुविधा होगी।

पुराने नक्शे भी नहीं मिल रहे

सूत्र बताते हैं कि बिल्डिंग परमिशन, कॉलोनी सेल और जनकार्य विभाग के पुराने और बड़े नक्शे ढूंढना पड़ रहे हैं। कड़ी मशक्कत के बाद भी कई ऐसे नक्शे हैं जो मिल ही नहीं रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि ऐसे नक्शों को पूर्व में ही जमीन के जादूगरों में गायब करवा दिया होगा। सूत्र यह भी बताते हैं कि वर्तमान में ऐसी निगम सीमा में कई कालोनियां है जो अवैध होकर सरकारी जमीन पर बसी हुई है। शायद यही कारण है कि ऐसे नक्शे निगम के रिकॉर्ड में ढूंढना चुनौती साबित हो रहा है।

आईटी मुख्यालय में लगी आग भी बड़ा कारण

हाल ही में आईटी विभाग के दफ्तर में भीषण आग लग चुकी है। इसमें भी नगर निगम का रिकॉर्ड जल जाना बताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि कुछ रिकॉर्ड को नष्ट करने के लिए ही आग लगी नहीं बल्कि 60 सर्किट करके लगाई गई है। हालांकि वास्तविकता क्या है यह तो इस अग्निकांड की जांच कर रही कमेटी की रिपोर्ट आने पर ही सामने आएगा।

फाटक बंद, 20 किमी चक्कर लगाकर जाना होगा मांगलिया

संवाददाता ● इंदौर

मांगलिया-सांवेर मुख्य मार्ग रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाने के लिए शनिवार को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। करीब एक साल बंद सांवेर रोड की तरफ जाने वाले लोगों को परेशानी होगी। इस मार्ग पर आने वाले एक दर्जन से अधिक गांवों में रहने वाले ग्रामीणों को मांगलिया आने-जाने के लिए 20 किमी लंबा चक्कर लगाकर सफर करना होगा। इनको सिंगापुर टाउनशिप अंडरपास, डकाच्या या शिप्रा होकर आना-जाना करना होगा। लोग हो रहे परेशान सांवेर से आने वाले लोगों को भी शिप्रा या डकाच्या का मार्ग चुनना होगा। पीडब्ल्यूडी द्वारा मांगलिया का आरओबी बनाया जा रहा है। 32 करोड़ की लागत से बनने वाले आरओबी के निर्माण के लिए रेलवे फाटक को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। रात से निर्माण कार्य में गति लाने के लिए फाटक बंद किया गया है। मांगलिया से सांवेर रोड की ओर जाने वालों को परेशानी उठानी होगी। अन्य वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर वह आवागमन कर सकते हैं। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने ब्रिज निर्माण करने वाली कंपनी को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य में लापरवाही नहीं बरती जाए। वहीं आमजन को कम से कम परेशानी हो। रेलवे फाटक एक साल के लिए बंद करने के निर्णय को लेकर क्षेत्र में विरोध भी शुरू हो गया है। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने निर्माण एजेंसी और प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिए बिना ही मुख्य मार्ग को बंद कर दिया गया है।

पोर्टल बंद रहने के कारण दो माह में निगम खजाने में पहुंचे सिर्फ 15 करोड़

बड़े बकायादारों से सख्ती से वसूली के लिए फिर तैयारी में नगर निगम

संवाददाता ● इंदौर

निर्देश

बड़े और रसूख वाले बकायादारों से वसूली के लिए निगम एक बार फिर तैयारी में है। इस बार बताया जा रहा है कि सख्ती से वसूली की जाना है। हालांकि यह तो बाद में ही पता चलेगा कि निगम की सख्ती कार्य करती है या रसूखदार की पकड़। खैर, जो भी हो यह बताया जा रहा है कि इस बार नगर निगम बकाया टैक्स वाले लोगों से वसूली नहीं होने पर उनकी संपत्ति कुर्क करने की तैयारी में है। करीब 2 महीने पोर्टल बंद रहने और वर्तमान में भी ठीक से कार्य नहीं करने के चलते नगर निगम का खजाना खाली पड़ा है। इसे भरने के लिए आला अधिकारी वसूली हमले को सख्त निर्देश दे रहे हैं।

जानकारी अनुसार आर्थिक तंगी से जूझ रहा नगर निगम अब बकाया वसूली को लेकर जल्द ही मैदान में कूदने की तैयारी कर रहा है। बताया जा रहा है कि इस वर्ष अभी तक निगम के खजाने में करीब 15 करोड़ का ही राजस्व आया है राजस्व नहीं आने का कारण यह सामने आया है कि गरीब दो माह से पोर्टल बंद पड़ा है। साथ ही वर्तमान में भी ठीक से कार्य नहीं कर रहा है। यही कारण है कि पोर्टल बंद होने के कारण कहीं भी संपत्तिकर, जलकर जमा नही हो सका था और अब सभी झोन पर 50 से अधिक राशि बकाया होने पर नोटिस दिए जाएंगे।संपत्तिकर जमा नहीं होने पर अधिकारी बकायादार की संपत्तिकर कुर्क करेंगे।

सभी झोन के तहत बकायादारों की सूची अपडेट की जा रही है और संपत्तिकर, जलकर के अलावा कचरा शुल्क, भवन अनुज्ञा शुल्क, बल्क कनेक्शन शुल्क सहित अन्य शुल्क की राशि भी वसूली जाएगी। आयुक्त शिवम वर्मा ने सभी एआरओ को निर्देश दिए हैं कि बकायादारों को लेकर किसी तरह की कोई लापरवाही न बरती जाए। बीते साल जो राजस्व वसूला गया था उससे अधिक इस वर्ष वसूलना है। इधर करीब दो माह वसूली में पीछे होने के बाद अधिकारी कर्मचारी यह कह रहे हैं कि पिछले वर्ष की तरह राजस्व आना काफी मुश्किल रहेगा।

फिलहाल 50 हजार अधिक के बकायादारों को लेकर ही कार्रवाई की जाएगी। निगम 10 से 12 तरह की राजस्व वसूली करता है। इसमें संपत्तिकर, जलकर, कचरा शुल्क, बल्क कनेक्शन शुल्क, भवन अनुज्ञा शुल्क, मार्केट, लाइसेंस शुल्क आदि मुख्य मद हैं जिनमें निगम को पैसा मिलता है।

एमवाय अस्पताल में कॉर्निया ट्रांसप्लांट कर रोकेंगे अन्धत्व

संवाददाता ● इंदौर

एमजीएम मेडिकल कालेज से संबधित एमवाय अस्पताल के नेत्र रोग विभाग द्वारा कॉर्निया ट्रांसप्लांट किया जाएगा। अन्धत्व की रोकथाम के लिए मेडिकल कमिश्नर तरुण राठी द्वारा ली गई बैठक में यह निर्णय लिया है कि यह सबसे पहले इंदौर और उज्जैन में शुरु होगा। फिर अन्य जिलों में भी शुरु किया जाएगा। बताया गया कि कॉर्निया प्रत्यारोपण (केराटोप्लास्टी) एक शल्य चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसमें एक क्षतिग्रस्त या रोगग्रस्त कॉर्निया को स्वस्थदाता कॉर्निया से बदला जाता है। कॉर्निया आंख के सामने की पारदर्शी परत है, जो रेटिना पर प्रकाश को केंद्रित करने में मदद करती है। यदि कॉर्निया क्षतिग्रस्त हो जाती है तो दृष्टि धुंधली या खराब हो सकती है। कॉर्निया प्रत्यारोपण इस स्थिति को ठीक करने में मदद कर सकता है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डा. अरविंद घनघोरिया ने कहा कि स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट एक्ट (सोटो) के तहत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। एमवाय अस्पताल के नेत्रों विभाग की डा. प्रीति रावत और उनकी टीम द्वारा यह शुरु किया जाएगा । डीन डॉ. घंघोरिया ने कहा कि एमजीएम मेडिकल कालेज को यह शुरु करने का जिम्मा कमिश्नर राठी द्वारा सौंपा गया है।

टिकट के बाद भी मेट्रो का क्रेज

मेट्रो ट्रेन शुरु होने के बाद अब टिकट लगना शुरु हो गया है, इसके बाद भी लोगों मे क्रेज कायम है।

डीईटी ने जारी किया शेड्यूल, 1 जुलाई तक चलेंगे पंजीयन

बीबीए-बीसीए : 40 हजार सीटों पर दाखिले के रजिस्ट्रेशन 16 से

संवाददाता ● इंदौर

एजुकेशन

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के अंतर्गत संचालित होने वाले बीसीए और बीबीए के रजिस्ट्रेशन के लिए शेड्यूल जारी हो चुका है। स्टूडेंट 16 जुलाई से आवेदन कर सकेंगे। बताया जाता है कि 2025-26 सत्र से बीबीए - बीसीए कोर्स की मान्यता उच्च शिक्षा विभाग के बजाय अब ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से मिली है। एआईसीटीई के दायरे में आने के बाद पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया डायरेक्टोरेट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (डीईटी) से चलाई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार डीईटी ने काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया है, जिसमें कोर्स में प्रवेश को लेकर 16 जून से पंजीयन किए जाएंगे। छात्रों को 1 जुलाई तक आवदेन करना होगा। अधिकारियों के अनुसार एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पसंदीदा कोर्स में छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के दायरे में आने वाले 70 से ज्यादा कॉलेजों में बीबीए - बीसीए कोर्स संचालित किए जाते हैं। दोनों कोर्स की लगभग 40 हजार सीटें हैं। डीईटी ने गुरुवार को बीबीए - बीसीए, बीबीएम तृतीय व चौथे वर्ष कोर्स में प्रवेश को लेकर टाइम टेबल अपलोड कर दिया है। 16 जून से 1 जुलाई तक इन कोर्स में पंजीयन किया जा सकता है।

सीमेट के छात्र ही कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन

जानकारी अनुसार डीईटी ने एमबीए कोर्स में भी प्रवेश को लेकर शेड्यूल जारी कर दिया है, जिसमें पहले राउंड में कॉमन मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट (सीमेट) देने वाले छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। 16 से 29 जून तक पंजीयन होंगे । इसमें केवल सीमेट वाले छात्र ही आवेदन कर सकेंगे। 1 जुलाई तक आवेदन की त्रृटियां सुधारी जा सकेंगी। सत्यापन के बाद विद्यार्थी 18 जून से 3 जुलाई तक चॉइस फिलिंग कर पसंदीदा कॉलेजों को चुन सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि 4 जुलाई को मेरिट सूची आएगी, जबकि सीट आवंटन के बाद 9 से 14 जुलाई तक विद्यार्थियों को फीस भरना होगी।

पॉटरी कला को नया योग क्यों कहा जा रहा है?

इस रविवार, वाट्सएप मैसेज का बैकलॉग चेक करते समय मैंने अपने एक दोस्त के स्टेटस पर तस्वीर देखी। वह क्ले से बनी कुछ सजावटी व प्राचीन चीजों के बीच खड़ा था। जब मैंने ये जानने के लिए तस्वीर पर क्लिक किया कि वो कहां है, तो मैं हैरान रह गया। सफेद पैंट-शर्ट पहने हुए उसके हाथ क्ले में भिड़े थे और वह लालटेन पकड़े था।

जब मैंने उसे फोन किया, तो उसने मुझे एक और तस्वीर भेजी। इसमें हमारे कुछ अन्य परिचित भी उसके साथ रविवार की एक पॉट-री क्लास में पोज दे रहे थे। हर कोई पिछले तीन रविवार की क्लास में खुद की बनाई कलाकृति पकड़े था। पहले हफ्ते में उन्होंने कला सीखी, दूसरे हफ्ते में कप, गिलास या फूलदान बनाया और एक हफ्ते तक सूखने दिया। इस रविवार को उन्होंने उसे रंगा। उनके चेहरों पर सुंदर-उपयोगी वस्तुएं बनाने की खुशी झलक रही थी। तभी मुझे एहसास हुआ कि सिरेमिक व पॉटरी (क्ले या मिट्टी से कलात्मक चीजें बनाना) की दुनिया युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रही है। यह स्थिरता व आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है, जो उनकी व्यस्त जिंदगी में ताजगी भरी राहत प्रदान करती है। आज के समय में जब वेलनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं, प्राचीनतम कलाओं में से एक पॉटरी एक बार फिर से लोकप्रिय हो रही है। कई युवा मानते हैं कि यह कला, मानसिक शांति और आराम का सही मिश्रण है, जो योग या ध्यान के समान एक चिकित्सीय अनुभव प्रदान करती है। चाहे आप रचनात्मक पुनरुत्थान की तलाश में हों, तनाव से राहत चाहते हों, या आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम खोज रहे हों, पॉटरी एक नया क्लासरूम बन गया है। पिछले आठ-दस वर्षों में यह अपमार्केट सर्कल में एक ट्रेंड बन गया है। 1 से 12 हफ्तों के ये कार्यक्रम शहरी युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं?

पहला कारण इसकी पहुंच है और दूसरा ध्यान केंद्रित करने वाला गुण। पहले क्ले पकाने के लिए भट्टी एक बड़ी बाधा थी, पर आज ये छोटे एयर कंडीशंड स्टूडियो में उपलब्ध हैं। दबाव में काम करने वाले अधिकांश युवा समझ चुके हैं कि पॉटरी के चिकित्सीय लाभ हैं। मेरे एक मित्र ने कहा, ह्यये ध्यान की तरह है, जो आपको दिनचर्या से अलग करने में मदद करता है। ह्वअधिकांश शिक्षित लोग इस प्राचीन कला की ओर लौट रहे हैं क्योंकि यह न केवल विज्ञान है, जिसमें सामग्री, ऑक्साइड, फायरिंग, ग्लेजिंग का ज्ञान जरूरी है, बल्कि कला भी है, जिसमें पेंटिंग है। आप ताज्जुब कर रहे होंगे कि आखिर क्यों पॉटरी लोकप्रिय वेलनेस ट्रेंड बनता जा रहा है? इसके पीछे कई कारण हैं। माइंडफुलनेस व मेडिटेशनः मिट्टी के साथ काम करने के लिए फोकस की जरूरत है, इससे मानसिक उथल-पुथल कम होती है। बार-बार चाक घुमाकर बर्तन बनाना या हाथ से आकार देना, दोनों ही क्रियाएं ध्यान की तरह शांतिप्रद और थेरेप्यूटिक होती हैं। तनाव में कमीः मिट्टी को आकार देने का स्पर्श अनुभव व रचनात्मक प्रक्रिया दैनिक चिंताओं से ध्यान हटाने में मदद करती है। इसका सीधा असर होता है कि यह कोर्टिसोल को कम करता है। कोर्टिसोल एक ऐसा हार्मोन है जो तनाव और चिंता से जुड़ा होता है। थेरेप्यूटिक लाभः कुछ लोगों के लिए शब्दों में अपनी बात कहना मुश्किल होता है। उनके लिए कुछ बनाना एक प्रकार का संवाद है। इसका एक स्पष्ट लाभ यह है कि यह स्क्रीन से डिस्कनेक्ट कर प्राकृतिक स्व के साथ जुड़ने का मौका देता है। पॉटरी मूर्त कला के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति की अनुमति देता है। यह प्रक्रिया आत्म-सम्मान और उपलब्धि की भावना को बढ़ा सकती है। शारीरिक लाभः फायदों की सूची में ये सबसे निचले क्रम पर हो सकते हैं। लेकिन मिट्टी को गूंथने, आकार देने और मोल्ड करने की शारीरिक क्रिया उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है जो शारीरिक चोटों से उबर रहे हैं। मिट्टी के साथ काम करना फाइन मोटर स्किल्स और हाथ की दक्षता में सुधार कर सकता है। फंडा यह है कि पॉटरी कला युवाओं को उनकी व्यस्त जिंदगी से बचने का मौका देता है। यह कला, माइंडफुलनेस और रिलैक्सेशन का मिश्रण है और इस तरह यह ह्लनया योगह्व बनती जा रही है।

यह स्थिरता व आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है, जो उनकी व्यस्त जिंदगी में ताजगी भरी राहत प्रदान करती है। आज के समय में जब वेलनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं, प्राचीनतम कलाओं में से एक पॉटरी एक बार फिर से लोकप्रिय हो रही है। कई युवा मानते हैं कि यह कला, मानसिक शांति और आराम का सही मिश्रण है, जो योग या ध्यान के समान एक चिकित्सीय अनुभव प्रदान करती है। चाहे आप रचनात्मक पुनरुत्थान की तलाश में हों, तनाव से राहत चाहते हों, या आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम खोज रहे हों, पॉटरी एक नया क्लासरूम बन गया है।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

हम अपनी सुरक्षा को दुनिया के भरोसे नहीं छोड़ सकते

जीवन की तरह कूटनीति में भी जो अनकहा रह जाता है, वह कहे जितना ही मुखर होता है। जब ट्रम्प ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व के बाद संघर्ष-विराम की घोषणा- जाहिराना तौर पर श्रेय लेने की गरज से- की, तो आतंकवाद के केंद्र के रूप में पाकिस्तान की भूमिका पर उनकी चुप्पी बहुत मुखर थी। भला अमेरिका यह कैसे भूल सकता है कि वह मानव इतिहास में सबसे घातक इस्लामिक आतंकवादी हमले का शिकार हुआ था, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन-टॉवर को नष्ट कर दिया गया था और पेंटागन पर भी हमला किया गया था।

अल-कायदा के ओसामा बिन लादेन की सरपरस्ती में हुए उस हमले में 2977 अमेरिकी मारे गए थे, हजारों घायल हुए थे, 10 अरब डॉलर से अधिक की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी और 430,000 लोगों की नौकरी चली गई थी। उसके बाद से 9/11 को 2000 और अकाल-मृत्युओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, और टॉक्सिक-एक्स्पोजर के कारण उस हादसे से जीवित बचे लोगों में भी कैंसर का खतरा 30% बढ़ गया है। अमेरिका को लादेन को खोजकर मारने में दस साल लगे और उसे इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। और लादेन कहां मिला? एबटाबाद में पाकिस्तान की हुकूमत द्वारा मुहैया कराए एक कड़ी सुरक्षा वाले घर में, जहां वह परिवार के साथ मजे से रह रहा था। यह भवन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी से कुछ ही दूरी पर था। अगर यह आतंकवाद से पाकिस्तानी-तंत्र की मिलीभगत का खुलासा नहीं करता तो और क्या करता है?

एडिट.नोट

आज भी पाकिस्तान में दर्जनों ऐसे आतंकवादी समूह और व्यक्ति हैं, जिन पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया है। इनमें मसूद अजहर के नेतृत्व वाला जैश-ए-मोहम्मद भी शामिल है। मसूद 2019 से ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों की सूची में शामिल है। लश्कर-ए-तैयबा और हाफिज सईद के नेतृत्व वाला उसका प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा भी अमेरिका, ईयू, रूस और भारत द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में नामजद है। 2008 के मुंबई हमले के पीछे जिस जाकिर रहमान लखी का दिमाग था, वह यूएन सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध-सूची में शुमार है। हिज्बुल मुजाहिदीन का लीडर सैयद सलाहुद्दीन और 1993 मुंबई धमाकों के लिए जिम्मेदार दाऊद इब्राहिम को भी अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादी घोषित किया है। आतंकवाद के प्रायोजकों पर अमेरिकी सरकार की एक अधिकृत सूची पाकिस्तान को आतंक की ऐसी ह्यसुरक्षित पनाहगाहह्व बताती है, जहां आतंकवादी और उनके समूह हुकूमत की मदद से दहशतगर्दी को अंजाम देने की योजनाएं बना सकते हैं, धन जुटा सकते हैं, भर्तियां कर सकते हैं, रंगरूटों को प्रशिक्षित कर सकते हैं और वारदातों को अंजाम दे सकते हैं। लेकिन अमेरिका और यूएन ने जिन आतंकवादियों को प्रतिबंधित किया है, वे पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं।

इस सबके बावजूद ट्रम्प ने संघर्ष-विराम की घोषणा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक साथ कैसे जोड़ दिया? उन्हें पता था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित पहलगाम हमले के प्रतिशोध के रूप में शुरू किया गया था। एक ऐसा देश- जिसने खुद पाकिस्तान में पनाह लेने वाले लादेन को खोजकर मार गिराया था- उसी का राष्ट्रपति सीजफायर के बाद पाकिस्तान प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की निंदा किए बिना भारत और पाकिस्तान दोनों को उनके बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय के लिए कैसे बधाई दे सकता है?
दशकों से पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने जवाबदेही से बचते हुए रियायतें पाने के लिए अपनी भू-राजनीतिक स्थिति का लाभ उठाने की कला में महारत हासिल की है। लेकिन भारत को इन दोहरे मानदंडों का कड़ा विरोध करना होगा। दुनिया ने पाकिस्तान की हकीकत से न केवल आंखें मूंद ली हैं, बल्कि आईएमएफ ने एक बार फिर इस आतंकवादी देश को पुरस्कृत भी किया। लेकिन भारत के पास इस तरह से अतीत को भूलने की सुविधा नहीं है। हमारे लिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद का बुनियादी ढांचा एक अस्तित्वगत खतरा है। यह हमारे लिए भू-राजनीतिक सौदेबाजी का साधन मात्र नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का साहसिक प्रयास था। इसके माध्यम से हमने संदेश दिया कि निष्क्रिय सहिष्णुता का युग समाप्त हो गया है। लेकिन जहां भारत ने निर्णायक रूप से कार्रवाई की, वहीं इस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया बहुत लुंज-पुंज थी।

रुचिर शर्मा - लेखक

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31% तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है।

आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5% से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की ह्यबैड वेल्थ की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की ह्यगुड वेल्थ अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है।लेकिन स्वीडन में आज ह्यगुड बिलियनेअर्स की संख्या बैड बिलियनेअर्स की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में ह्यगुड वेल्थ का हिस्सा महज 12% है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है।स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे।1990 के दशक की शुरूआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया। 2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70% संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है।

स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है।

वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

हाल के चुनावों में, राजनीतिक गुस्सा असमानता नहीं अप्रवासियों और अपराध पर केंद्रित रहा है। कई प्रमुख व्यवसायी अपनी संपत्ति का दिखावा करने के बजाय दान देने के लिए अधिक जाने जाते हैं। लेकिन मेरे थ्री-बिलियनेअर्स मेट्रिक्स पर स्वीडन की समग्र रैंकिंग मेरे द्वारा ट्रैक किए जाने वाले 20 देशों में सबसे खराब है, और यह अच्छा संकेत नहीं है।मैंने 2010 में ये विश्लेषण शुरू किए थे, जब भारत में ह्यबैड बिलियनेअर्स की बढ़ती सम्पत्ति ने वेल्थ-क्रिएशन के खिलाफ ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, जो व्यावसायिक-गतिविधियों को रोकने के लिए पर्याप्त थी। इसके बाद वाले दशक में अरबपतियों के मेट्रिक्स पर निराशाजनक परिणाम ने दुनिया भर में विद्रोहों का संकेत दिया। इनमें चिली में 2019 में सामाजिक-विषमता के खिलाफ बड़े पैमाने पर दंगे भड़कने से पहले और फ्रांस में 2023 में टैक्स-द-रिच रैलियों के फैलने से पहले हुए विद्रोह शामिल हैं।

बिजनेस

एमपीसी के फैसलों से बाजार में मजबूती बरकरार; सेंसेक्स 256 अंक उछला, निफ्टी 25100 के पार

मौद्रिक नीति समिति के फैसलों के बाद सोमवार को भी घरेलू बाजार में मजबूती दिखी और प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। रेपो रेट और सीआरआर में कटौती जैसे फैसलों ने बाजार में निवेशकों को आकर्षित किया। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 256.22 अंक या 0.31 प्रतिशत चढ़कर 82,445.21 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 480.01 अंक या 0.58 प्रतिशत बढ़कर 82,669 पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 100.15 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 25,103.20 अंक पर आ गया। इस दौरान रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 85.63 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी सबसे ज्यादा लाभ में रहे। हालांकि, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और भारती एयरटेल पिछड़ गए। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए। यूरोपीय बाजार मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी के साथ बंद हुए। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ता के नए दौर को लेकर आशावाद ने भी बाजारों को ऊपर की ओर बढ़ाया।

ब्रेंट क्रूड मजबूत होकर 66.67 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत बढ़कर 66.67 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,009.71 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इससे पहले शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत बढ़कर 82,188.99 पर बंद हुआ। निफ्टी ने 25,000 के स्तर पर दोबारा पहुंच गया और 252.15 अंक या 1.02 प्रतिशत चढ़कर 25,003.05 पर बंद हुआ।

राज-काज

कभी एलन मस्क ने उड़ाया था इस गाड़ी का मजाक

नई दिल्ली। चीन की ऑटो कंपनी बीवाईडी ने दुनिया के ऑटो मार्केट में तहलका मचा रखा है। शेनजेन की इस कंपनी ने पिछले साल बिक्री के मामले में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। पिछले हफ्ते कंपनी ने ऐसी बैटरी लॉन्च की जो पांच मिनट चार्ज करने पर 250 मील की रेंज दे सकती है। इसी तरह पिछले महीने उसने एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम ऋ्रङ्घ्रि२ एटी लॉन्च किया जो टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग फीचर के मुकाबले काफी सस्ता है। यानी यह कंपनी हर मोर्चे पर टेस्ला को टक्कर दे रही है। एक दौर ऐसा भी था जब मस्क इस चीनी कंपनी को कोई भाव देने को तैयार नहीं थे और आज यह सेल्स, इनोवेशन और कीमत के मामले में टेस्ला पर भारी पड़ती दिख रही है। बीवाईडी के उभार से दुनियाभर की कंपनियों की नींद उड़ी हुई है।

एसबीआई ने वित्त वर्ष 2025 के लिए सरकार को 8077 करोड़ रुपये का लाभांश सौंपा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 8,076.84 करोड़ रुपये का लाभांश दिया। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू और वित्त सचिव अजय सेठ की मौजूदगी में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश का चेक सौंपा।वित्त मंत्री के कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ॰वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष सीएस शेट्टी की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8076.84 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा गया।॰एसबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 15.90 रुपये प्रति शेयर का लाभांश घोषित किया। यह पिछले वर्ष वितरित 13.70 रुपये प्रति इक्विटी शेयर से अधिक है।

एसबीआई ने पिछले साल सरकार को 6,959.29 करोड़ रुपये का लाभांश दिया था। 2024-25 के दौरान, बैंक ने 70,901 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ अर्जित किया। पिछले वर्ष यह राशि 61,077 करोड़ रुपये थी, यानी इसमें 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

गाड़ियों का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस 25% तक हो सकता है महंगा

नई दिल्ली। भारत में थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कराने वालों के लिए बुरी खबर है। बीमा नियामक संस्था कम्ळ्अक (इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया) ने सरकार से थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम बढ़ाने की सिफारिश की है।सूत्रों के मुताबिक, कम्ळ्अक ने औसतन 18% प्रीमियम बढ़ाने का सुझाव दिया है। कुछ कैटेगरी के वाहनों के लिए यह बढ़ोतरी 20% से 25% तक हो सकती है। अब इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लिया जाएगा। उम्मीद है कि 2 से 3 हफ्तों में इस पर फैसला हो सकता है।यदि मंत्रालय कम्ळ्अक के प्रस्ताव को मंजूरी देता है, तो सबसे पहले ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा और जनता से राय मांगी जाएगी। उसके बाद समीक्षा प्रक्रिया के जरिए इस प्रस्ताव को लागू किया जाएगा। गौर करने वाली बात है कि पिछले तीन वर्षों से थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

थर्ड पार्टी इंश्योरेंस क्या होता है?

थर्ड पार्टी इंश्योरेंस भारत में कानूनी रूप से अनिवार्य है और सभी वाहन मालिकों के लिए जरूरी है। यह बीमा आपके वाहन से किसी तीसरे व्यक्ति (जैसे राहगीर, दूसरा वाहन चालक, या उनकी संपत्ति) को हुए नुकसान की भरपाई करता है। यह आपके या आपके वाहन को हुए नुकसान को कवर नहीं करता है। मौजूदा समय में नए वाहन के साथ 1 साल का कॉम्प्रिहेंसिव और 4 साल का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस लेना अनिवार्य है।

यह घटना केरल तट से उत्तर-पश्चिम में लगभग 130 समुद्री मील की दूरी पर हुई। भारतीय तटरक्षक विमान ने घटनास्थल का जायजा लिया और बचाव अभियान के तहत हवाई-ड्रॉप करने योग्य पंप गिराए। सहायता के लिए चार जहाजों को भेजा गया।

नई शिक्षा नीति का भी किया जा रहा प्रभावी क्रियान्वयन

बच्चों में बौद्धिक क्षमताओं-सामाजिक कौशल को विकसित करता शिक्षा विभाग

संवाददाता ● भोपाल

स्कूली शिक्षा बच्चे के विकास में एक महत्वपूर्ण चरण है, जो उनके भविष्य को आकार देने वाली आधारभूत ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। आमतौर पर गणित, विज्ञान, भाषा, कला और सामाजिक अध्ययन जैसे विभिन्न विषयों में औपचारिक निर्देश शामिल होते हैं। सिखाने के इस चरण का उद्देश्य बौद्धिक क्षमताओं, भावनात्मक विकास और सामाजिक कौशल को विकसित करना है। प्रदेश में इन्हीं उद्देश्यों को लेकर लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

निर्देश

स्कूली शिक्षा अनुशासन, टीमवर्क और समस्या समाधान जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देती है, जिससे बच्चों को अकादमिक और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने में मदद मिलती है। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 का क्रियान्वयन भी प्रभावी तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों की श्रेणी में आता है।

सीएम ने सागर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में पहुंचकर विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और मरीजों से उनके स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली। इस अवसर पर सागर ग्रुप के चेयरमैन सुधीर अग्रवाल, डॉक्टर्स और समस्त स्टॉफकर्मी मौजूद थे।

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के कुशल मार्गदर्शन में नवाचारों के साथ कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। इसका प्रभाव यह हुआ है कि प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वांगीण शिक्षा प्रदान की जा रही है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्कूल शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के 2023-24 में कुल बजट का 92.12 प्रतिशत उपयोग किया गया था, जबकि वर्ष 2024-25 में प्रावधान किये गये बजट का 95.12 प्रतिशत व्यय किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.48 प्रतिशत अधिक है। बजट में प्रावधान की गई राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा की बेहतरी के लिए किया गया।

हाई स्कूल में 76 फीसदी रिजल्ट

प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड की कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षाओं में 76 प्रतिशत बच्चे उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष के 58 प्रतिशत से 18 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि बच्चों में बढ़ी शैक्षणिक योग्यता को दर्शाती है। इसी तरह 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम पिछले वर्ष में 64 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 74 प्रतिशत आया है, जो 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। प्रदेश के 53 प्रतिशत बच्चों ने कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। प्रदेश में बोर्ड परीक्षाएं शून्य प्रतिशत पेपर लीक के साथ संपन्न हुई। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। नई शिक्षा नीति में विभिन्न समितियों का गठन भी किया गया है। इन समितियों की अनुशंसा के अनुसार मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय मूल्यों, संस्कृति आधारित शिक्षा के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने कई उल्लेखनीय कदम उठाये हैं।

सरकारी स्कूलों में बांटी 82 लाख को किताबें

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिये अनेक योजनाओं का फायदा दिलाया जा रहा है। निःशुल्क पाठ्यक्रम योजना में शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत करीब 82 लाख बच्चों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के करीब 60 लाख बच्चों को डीबीटी के माध्यम से राशि प्रदान की गई। कक्षा 1 से 12वीं में अध्ययनरत एससी, एसटी, ओबीसी और बीपीएल के 66 लाख बच्चों को विगत वर्ष छात्रवृत्ति के रुप में 332 करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों मंख ट्रांसफर की गई है। निःशुल्क साइकिल वितरण योजना में कक्षा 6 और 9 के करीब 4 लाख 75 हजार बच्चों को घर से स्कूल तक आने जाने के लिये साइकिल वितरित की गई हैं। प्रदेश में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले 89 हजार 801 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को करीब 224 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरुप टेबलेट क्रय करने के लिये उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। सरकारी स्कूलों में बच्चों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने के लिये 4 हजार 473 सरकारी स्कूलों में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं शुरु की गई हैं। इन कक्षाओं में 3 वर्ष 6 वर्ष तक के आयुवर्ग के 96 हजार बच्चों को पिछले वर्ष दाखिला कराया गया था। इन कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाने के लिये 117 मास्टर ट्रेनर्स और 4473 शासकीय शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलाया गया। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 एवं 2 के छात्रों को बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान प्रभावी तरीके से देने के लिये मिशन अंकुर संचालित किया जा रहा है। इस मिशन के अंतर्गत बच्चों को अभ्यास के लिये निःशुल्क वर्कबुक का वितरण किया गया। अंकुर मिशन में अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करने और बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भाषा विकास की क्षमताओं का आकलन करने के लिये सभी स्कूलों में फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) मेलों का आयोजन किया गया। शिक्षकों को अपनी कक्षा अनुभवों, ज्ञान, कौशल एवं नवाचारों को अपने शिक्षक समुदाय से साझा करने के लिये कक्षा एक से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिये जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर शैक्षिक संवादों का आयोजन किया गया।

राजधानी में 18 साल की रेप पीड़िता की मौत

बिना पोस्टमॉर्टम परिजनों ने शव दफनाया, पुलिस ने कब्र खोदकर निकाला

संवाददाता ● भोपाल

ऐशबाग में रहने वाली 18 साल की रेप पीड़िता की गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात मौत हो गई। फरवरी महीने में उसने एक युवक पर रेप का केस दर्ज कराया था। एफआईआर से पहले उसने टायलेट क्लीनर पीकर सुसाइड की कोशिश की थी। लंबे इलाज के बाद उसकी जान बच गई थी, लेकिन तबीयत लगातार खराब रहने लगी थी। पुलिस का कहना है कि रेप पीड़िता की मौत के बाद पुलिस को सूचित किए बगैर दफन कर दिया था। रविवार शाम को कोर्ट के आदेश पर बॉडी को कब्जे में लेकर पीएम के निकाला गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

शादी का झांसा देकर 2 साल किया शोषण -- पुलिस के अनुसार 18 साल की युवती ऐशबाग इलाके में रहती थी। उसकी अयान नामक युवक से दोस्ती थी। बाद में दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। इस दौरान अयान ने शादी का प्रलोभन देकर दो साल तक उसका दैहिक शोषण किया। अयान कहता था कि बालिग होने के बाद शादी कर लेगा। वह बालिग हुई और तो युवती ने फरवरी माह में उसने शादी करने की बात कही। लेकिन आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। दोनों के बीच शादी की बात लेकर विवाद होने लगा। इससे दुखी होकर पीड़िता ने टायलेट क्लीनर पी लिया।

कब्र से बाहर निकाला गया शव - ऐशबाग थाने के एसआई जनार्दन मिश्रा ने बताया कि रविवार दोपहर एसडीएम से परमिशन लेने के बाद देर शाम कब्र की खुदाई कर युवती की लाश को बाहर निकाला गया है। हमीदिया अस्पताल के मॉर्चुरी में शव रखवा दिया है। सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक युवकों को कुचला, तीन की मौत

मैहर। मध्यप्रदेश के मैहर में देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों को मातम में डुबो दिया है। सरला नगर रोड पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी थी। भीषण हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही बाइक सवार युवक सड़क पर दूर जा गिरे और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई है। एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार सभी युवक एक बाइक से सवार होकर मैहर से सरला नगर की ओर जा रहे थे। तभी सरला नगर रोड पर अचानक एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। भीषण सड़क हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों युवक शैलेंद्र कुशवाहा (25), अमित दहिया (24) और रजनीश कुशवाहा (25) सभी मैहर थाना क्षेत्र के ग्राम डांडी के निवासी थे। वहीं, गंभीर रूप से घायल युवक आनंद कुशवाहा (20) धनवाही गांव का रहने वाला है।

शॉर्ट न्यूज

प्रेमानंद से मिलने पहुंचे जस्टिस संजीव सचदेवा

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा वृंदावन पहुंचे और स्वामी प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। पदभार संभालने से पहले जस्टिस संजीव सचदेवा ने प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान संत ने उनसे धर्म और न्याय पर धर्म पर चर्चा की। उन्होंने चीफ जस्टिस से कहा कि न्याय को धर्म से जोड़िए। प्रेमानंद महाराज ने जस्टिस संजीव सचदेवा से कहा कि, "धर्मो रक्षति, रक्षितः, जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। मनुष्य जीवन का प्रमुख लक्ष्य है। भगवान ने जो पद दिया है वो सेवा करने के लिए है। प्रेमानंद महाराज ने कहा, 'अपने कर्म से अगर हम धर्म रूपी पूजा करें तो देख आगे बढ़ेगा। जब हम भय और प्रलोभन में आकर कुछ करते है तभी हमारी हानि हो जाती है। इससे हमारे समाज को पीड़ा होती है। हमें अपने अधिकार के अनुसार काम करना चाहिए।

ईसाई धर्म का प्रलोभन देते रंगेहाथ धराया...

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में फिर धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। स्लम एरिया के गरीब तबके के लोगों का धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। ईसाई मिशनरी से जुड़े लोगों को रंगे हाथ पकड़ा गया है। एक झोपड़ी में बंद कर ईसाई धर्म को अपनाने का प्रलोभन दिया जा रहा था। प्रति व्यक्ति 50 हजार, बच्चों की मिशनरी स्कूल में हॉस्टल के साथ निःशुल्क शिक्षा, माता-पिता समेत बूढ़े बुजुर्गों को मेट्रो शहरों के बड़े अस्पतालों में चिकित्सा का प्रलोभन दिया जा रहा था। दरअसल मामला सूखी सेवनिया क्षेत्र का है, जहां हिंदूवादी संगठनों ने छापा मारा। छापे के दौरान ईसाई धर्म से जुड़े कई ग्रंथ मिले। समूह में इकट्ठा कर मजदूर वर्ग की महिलाओं को ग्रंथ और पैसे बांटे जा रहे थे। 50 से ज्यादा महिलाओं को झोपड़ी में बंद कर चुपचाप तरीके से धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। ईसाई धर्म में हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कर रहे कालूराम गौड़ समेत दो विदेशी मूल के युवक युवती को रंगे हाथों पकड़ा गया है।

स्पा सेंटर में चल रहा था 'गंदा काम' पांच युवतियां और दो युवक पकड़ाए

संवाददाता ● ग्वालियर

शहर के सिटी सेंटर क्षेत्र में स्थित रेड माउंटेन स्पा सेंटर पर छापामार कार्रवाई की है। यहां स्पा सेंटर की आड़ में लंबे समय से चल रहे देह व्यापार के अवैध धंधे का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। ग्वालियर पुलिस की विशेष टीम ने रविवार देर शाम को इस स्पा सेंटर पर दबिश दी। मौके से आपत्तिजनक हालत में युवतियों और ग्राहकों को पकड़ा गया। साथ ही स्पा सेंटर के मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है। एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्पा सेंटर में अवैध गतिविधियों की लगातार शिकायतें मिल रही थी। इस सूचना के बाद पुलिस कई दिनों से अवैध गतिविधि पर नजर रख रही थी। फिर रविवार की शाम सीएसपी विश्वविद्यालय, महिला थाना प्रभारी और थाना प्रभारी आजाक्स की संयुक्त टीम ने यह छापामार कार्रवाई की है।रेड के दौरान पुलिस को मौके पर आपत्तिजनक स्थिति में लोग मिले। इसके साथ ही बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री, और अन्य वस्तुएं भी बरामद की गईं, जिससे यह साफ हुआ कि यहां अवैध रूप से देह व्यापार संचालित किया जा रहा था। वहीं, स्पा सेंटर में हुई कार्रवाई के बाद आसपास की दुकानों में हड़कंप मच गया।

पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके से पांच युवतियों भी मिली है, जिनमें से कुछ ग्वालियर की हैं। वहीं, बाकी अन्य जिलों की हैं। इसके अलावा स्पा सेंटर का एक मैनेजर और दो ग्राहक भी गिरफ्तार किए गए हैं। एएसपी ने बताया कि स्पा सेंटर के मालिक के खिलाफ भी अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस गिरफ्तार किए आरोपियों के पूछताछ कर और जानकारी इकट्ठी कर रही है।

20 एंटी वेनम डोज

फिर नहीं आया होश सर्पदंश से बच्चे की मौत, मां गंभीर

खंडवा। जिले में सांप ने एक 4 माह के बच्चे और उसकी मां को डंस लिया है। इससे बच्चे की मौत हो गई है और मां की हालत गंभीर है। मां को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उसे 20 एंटी वेनम के डोज लग चुके हैं। इसके बावजूद उसे होश नहीं आया है। दरअसल, पूरा मामला खंडवा के पिपलोद का है। यहां एक कमरे में 4 माह का मासूम अपनी मां के साथ गहरी नींद में सो रहा था। तभी आधी रात को सांप के काटने से बच्चा जोर-जोर से चिल्लाने लगा। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर मां भी जग गई जिससे सांप ने मां को काट लिया। जिसके बाद बच्चे की मां सोनू शोर मचाने लगी और सांप कमरे में फन निकालकर किनारे बैठा रहा। आवाज सुनकर परिजन दौड़कर मौके पर पहुंचे और उन्होंने सांप को डंडे से मार डाला। जब उन्होंने 4 महीने के मासूम बच्चो को देखा तो उससी मौत हो चुकी थी। परिजन महिला को तत्काल सिंगोट अस्पताल लेकर पहुंचे। सिंगोट में प्राथमिक उपचार के बाद महिला को खंडवा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अभी फिलहाल महिला सोनू की हालत गंभीर बनी हुई है उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि जब यह घटना हुई घर के सभी सदस्य सो रहे थे।

गोविंदपुरा में फैक्ट्री में भीषण आग खाली कराई आधा दर्जन झुग्गियां

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक पुट्ठे की फैक्ट्री में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग भड़कने से दहशत फैल गई और फैक्ट्री की बाउंड्रीवॉल से सटी आधा दर्जन झुग्गियों को खाली करा लिया गया। हालांकि आग से झुग्गियों को कम नुकसान हुआ है।

हादसा

जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी वेद प्रकाश गोयल की गोविंदपुरा एच-सेक्टर, आदर्श नगर में पुट्ठा फैक्ट्री है। रात करीब आठ बजे अचानक फैक्ट्री में आग लग गई। पूरे फैक्ट्री में पुट्ठे रखे होने के कारण आग तेजी से फैल गई। सूचना के बाद दर्जन भर दमकलों को अलग-अलग फायर स्टेशनों से पहुंचाया गया। नगर निगम, पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। फैक्ट्री मालिक को भी सूचना दी गई। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। फैक्ट्री के अंदर सैकड़ों टन पुट्ठा और रॉ मटेरियल रखा हुआ था, जिसमें अधिकांश आग में जल गया है। पुट्ठों के गठानों पर पानी फेंकने के कारण वे गीले हो गए हैं। आग तो बुझ गई, लेकिन गट्ठों के नीचे से कहीं-कहीं देर रात तक धुआं निकल रहा है। एहतियात के तौर पर दो दमकल वाहनों और दमकलकर्मियों को वहां तैनात किया गया है। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट से आग लगना कारण माना जा रहा है। फैक्ट्री के पास कई झुग्गियां हैं। तेज हवा होने के कारण आग झुग्गियों को अपनी चपेट में न ले ले, इसलिए आधा दर्जन झुग्गियों को पुलिस और प्रशासन ने खाली करा लिया।

भोपाल से कई मुरादें लेकर निकली थी, भगवान के दर से बेटा ही चला गया

खाटूश्याम में बेटा गंवाने वाली मां बोली-मेरा सबकुछ लुट गया

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में ऐशबाग थाना क्षेत्र के पुष्पा नगर वार्ड-39 के महामाई का बाग में रहने वाले तीन साल के बच्चे रक्षम की मां ललिता जाटव (28) पति अजय जाटव का। राजस्थान के खाटूश्याम में रक्षम के अपहरण के बाद से पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। दैनिक भास्कर ने इकलौते बेटे को मंदिर के एंट्री गेट पर आखिरी बार देखने वाली मां ललिता से फोन पर बात कर पूरे मामले को समझा। मां ललिता ने बताया, पति अजय मिस्त्री का काम करते हैं। बहुत ज्यादा शराब पीते हैं। परिवार में आर्थिक तंगी के हालात हैं। मैं होटल में खाना बनाने का काम करती हूं। लेकिन पति और मेरी कमाई के बाद भी परिवार का गुजारा मुश्किल होता है।

मामला

तीन बेटियों के बाद कई मंदिरों में मान-मन्नत करने के बाद बेटे का जन्म हुआ। वह सबसे छोटा और पूरे परिवार का लाड़ला है। मेरा तो पूरा जीवन संघर्ष में बीत रहा है। लेकिन बच्चों के बेहतर भविष्य की चाह में बेटियों को अच्छे स्कूलों में पढ़ा रही हूं। बेटे को भी बहुत कामयाब होता देखना चाहती हूं। पति शराब छोड़ दें। परिवार से आर्थिक तंगी दूर और बच्चे आने वाले समय में कामयाब रहें, स्वस्थ्य रहें, इन तमाम मुरादों के साथ कई दिनों से खाटूश्याम जाने की इच्छा थी। मां साथ जाने को राजी हुई, तब हम एकादशी पर दर्शन के लिए 6 जून शुक्रवार को भोपाल से खाटूश्याम के लिए रवाना हुए। 7 जून को खाटूश्याम पहुंचे।

नानी बोली- अनजान युवक पर भरोसा भारी पड़ गया

नानी आशा अहिरवार ने बताया कि जयपुर स्टेशन के बाहर पुलिस से सिंधी कैंप का पता पूछा। तभी वहां आरोपी आया। उसने पूछा कि दीदी क्या आप लोग खाटूश्याम जी पहली बार जा रहे हैं। मैंने हां में जवाब दिया। इसके बाद वो भी हमारे साथ चलने लगा। सिंधी कैंप से खाटू श्याम के लिए रवाना हुए। 7 जून की सुबह वहां पहुंचे। वहां पहुंचने के बाद शासकीय सुलभ कॉम्प्लेक्स में फ्रेश होने गए। इस दौरान आरोपी हमारे आसपास ही रहा। वो भी वहीं नहाया। मैं, मेरी बेटी ललिता और बेटा रक्षम तैयार हो चुके थे। तब आरोपी बोला कि मैं तो हर ग्यारस को यहां आता हूं। आपको मैं घुमा देता हूं। मंदिर की पूरी परिक्रमा में वह साथ रहा। खाटू श्याम जी के एंट्री गेट पर पहुंचते ही आरोपी बोला कि आप लोग दर्शन कर आओ। मैं यहां आता रहता हूं। अंदर समय लगेगा। बच्चा बीमार है। इसे मेरे पास ही छोड़ जाओ। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी चेक किए। उसमें आरोपी कैद हो गया। वह लगातार घूमता-फिरता रहा। हमारे अंदर जाने के बाद वह करीब डेढ़ घंटे तक वहीं आसपास रहा जहां बच्चे को छोड़ा था। लेकिन इसके बाद वह चला गया।

सफर के दौरान भीलवाड़ा में रक्षम को तेज बुखार आया था

बताया जा रहा है कि ट्रेन में सफर के दौरान भीलवाड़ा में रक्षम को तेज बुखार आ गया। मां ललिता ने उसे बुखार की दवा दी तो उसे उल्टियां होने लगीं। इससे बच्चा लगातार मां की गोद में रहा। ललिता थक चुकी थी। इसी बीच अनजान युवक का जब उसे साथ मिला तो उसने भरोसा किया और बच्चे को उसे गोद में दिया। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने चंद घंटों में बच्चे की मां और नानी का विश्वास जीता और मौका मिलते ही उसे लेकर भाग निकला। पुलिस जांच में सामने आया कि किडनैपर बच्चे को एक दुकान पर ले गया। जहां उसे फ्रूटी पिलाई। वह पुलिस थाने के आसपास भी घूमा। फिर कहीं गायब हो गया। खाटू श्यामजी थाने के एसएचओ पवन चौबे ने बताया कि आरोपी की तलाश में दो टीमें जुटी हैं।

सोनम का बर्थडे पार्टी में सारी लाइमलाइट चुरा ले गई करीना

जाह्नवी से भी नजरें हटा पाना मुश्किल

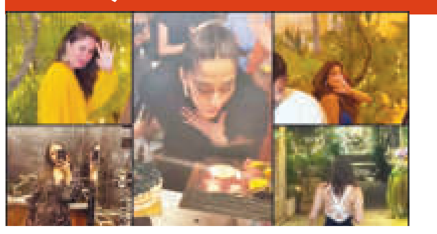

बी-टाउन की फैशनिस्टा सोनम कपूर के बर्थडे की शाम हसीन करने के लिए कई सेलिब्रिटीज उनके बंगले में पहुंचे। सोनम के कजिंस से लेकर उनकी बेस्टी तक ने उनके जन्मदिन को और भी शानदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान 44 साल की करीना कपूर ने अपने लुक से फैंस का दिल चुरा लिया। सोनम कपूर 9 जून को 40 साल की हो गईं। जन्मदिन से पहले की शाम उन्होंने अपने पिता अनिल कपूर के बंगले पर एक शानदार बर्थडे पार्टी होस्ट की। इस सेलिब्रेशन में बॉलीवुड के तमाम सेलिब्रिटीज पहुंचे थे। हीरोइनों ने ग्लैमरस लुक में बर्थडे गर्ल सोनम को भी टक्कर दे डाली, खासकर करीना और जाह्नवी कपूर ने। सोनम कपूर की बर्थडे पार्टी में करीना कपूर खान अपनी बहन करिश्मा कपूर और पति सैफ अली खान के साथ पहुंचीं। सैफ व्हाइट शर्ट में हैंडसम लग रहे थे, वहीं करीना ने येलो आउटफिट में अपना ग्लैमर लुक फ्लॉन्ट किया। करीना कपूर ने एक स्लिट येलो कलर का गाउन पहना था जिसे उन्होंने ईयररिंग्स से स्टाइल किया था। आंखों में काजल, खुले बाल और मिनिमल मेकअप में करीना बहुत खूबसूरत लग रही थीं। वहीं, करिश्मा ने फ्लोरल गाउन पहना था और स्मोकी आईज-पिंक लिप शेड से अपने लुक को चार्मिंग बनाया था। जाह्नवी कपूर हमेशा से ही फैशन के मामले में अपनी चचेरी बहन सोनम कपूर के नक्शेकदम पर चली हैं। ऐसे में उनकी बर्थडे पार्टी में वह ग्लैमरस कैसे न लगें। उन्होंने पार्टी में ब्लू कलर की साटिन ड्रेस पहनी थी जिसमें वह देखते ही बन रही थीं। सोनम की बर्थडे पार्टी में खुशी कपूर भी पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक और व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी थीं। वहीं, खुशी की कजिन और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने लाइट ब्लू कलर की ड्रेस में सिंपल लुक फ्लॉन्ट किया था।

खुद घुस जाओ अंदर...

अवनीत के ब्रेस्ट पर फोकस करने पर सुयश राय ने लगाई पैप्स को लताड़

अवनीत कौर इन दिनों अपने हॉट और बोल्ड अवतार के लिए सुर्खियों में बनी हुई हैं। जब से गलत एल्गोरिदम के चक्कर में विराट कोहली ने उनकी फोटो लाइफ की थी इसके बाद तो एक्ट्रेस और भी ज्यादा हाइलाइट हो गई हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस ऑरेंज कलर की बॉडीकान ड्रेस में एक अवॉर्ड फंक्शन में पहुंची थीं जहां रेड कार्पेट पर वो पैप्स के कैमरे में कैद हुईं। इस दौरान उनके बोल्ड अवतार और अदाओं को देखकर फैंस के होश उड़ गए। अवनीत ने ऑरेंज कलर की डीप नेक थाई हाई स्लिट ड्रेस पहनी थी। हालांकि इस बीच पैप्स की एक हरकत सेलेब्स को पसंद नहीं आई। अवनीत के चेस्ट पर उन्होंने बहुत ही ज्यादा जूम इन कर दिया था जोकि बहुत ही अजीब लग रहा था। इस पर टीवी एक्टर सुयश राय ने सवाल उठाए हैं। इस वीडियो पर नेटिजन्स ने भी रिएक्ट किया और इस जबरदस्ती के जूम इन को फिजूल बताया। इस पर रिएक्टर करते हुए अभिनेता सुयश राय ने लिखा- क्यों जूम किया? खुद घुस जाओ अंदर? हां, वो सुंदर लग रही है लेकिन आप लोग मीडिया के तौर पर क्या कर रहे थे। तमीज, बेसिक्स कहां गई। ऐसा तो हो नहीं सकता कि आपके घर की महिला इन सबसे खुश होगी। ये बहुत ही दुखद है। एक दूसरे यूजर ने लिखा- जो इस तरह से जूम करे इस तरह के कैमरामैन को कुछ बेल्ट ट्रीटमेंट देना चाहिए। इतना जूम क्यों करते हो? कोई शर्म भी नहीं है तुम लोगों को। इस वीडियो पर अवनीत ने अभी तक रिएक्ट नही किया है। बीते दिनों 23 वर्षीय अभिनेत्री टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के एक 'लाइक' की वजह से काफी चर्चा में थीं। नेटिजन्स ने फोटो को लाइक करने के लिए क्रिकेटर की बहुत खिंचाई की थी जिसके बाद उन्हें सफाई तक देनी पड़ी। इसके बाद से अवनीत के फॉलोवर्स अचानक से 2 मिलयन बढ़ गए थे।

रणबीर और आलिया के सपनों का घर हुआ बनकर तैयार

मगर फैंस को खल गई एक कमी

अभिनेता रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का मुंबई के बांद्रा में नया बंगला पिछले साल अक्टूबर से बनकर तैयार है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि अब इसकी फिनिशिंग लगभग पूरी हो चुकी है। पिछले साल की तुलना में, घर में पहले से कहीं ज़्यादा खूबसूरती है। हर मंजिल पर अलग से हरियाली लगाई गई है। इंटरनेट पर रणबीर कपूर के घर का फाइनल लुक वायरल हो रहा है लेकिन सेलेब्स को इसमें एक कमी लग रही है। घर की एक अहम चीज अभी भी गायब है। एक पैपराजी पेज ने इंस्टाग्राम पर रणबीर और आलिया के नए घर का वीडियो पोस्ट किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा,'एक सपनों के घर में नई शुरुआत! आलिया और रणबीर का लव नेस्ट आखिरकार बनकर तैयार हो गया है।' पिछले साल के वीडियो की तुलना में, घर थोड़ा और कम्पलीट लग रहा है,फिनिशिंग भी हो गई है और हरियाली के साथ-साथ परिवार की प्राइवेसी के लिए बाड़ भी लगाया गया है। घर पिछली बार की तुलना में ज़्यादा चमकीला भी लग रहा है, सिवाय सामने के गेट के जिसे अभी लगाया जाना है। लोगों को यह बात बहुत मजेदार लगी कि घर आखिरकार बनकर तैयार हो गया, लेकिन गेट अभी तक नहीं लगा है। इस पर कई लोग फनी कमेंट्स भी कर रहे हैं। एक यूजर ने टिप्पणी की, "इतना खर्चा हो गया कि नया गेट बनाने के पैसे ही नए बचे।" एक अन्य ने मजाक में कहा, "गेट इतना सस्ता क्यों बनाया है? दरअसल गेट पर फ्लैटबोर्ड लगा हुआ है। एक ने तो यहां तक लिखा, "रणबीर कह रहे हैं कि मैं मेन गेट नहीं बनवाऊंगा।' रणबीर और आलिया का घर पिछले कुछ सालों से बन रहा है। इस जोड़े को अक्सर अपनी बेटी राहा कपूर या रणबीर की मां नीतू कपूर के साथ कंस्ट्रक्शन साइट पर जाते हुए देखा गया है। अभी ये कपल पाली हिल में रहते हैं।

सोनाक्षी का वायरल में हुआ बुरा

पति जहीर इकबाल ने उड़ाया मजाक, तौलिए से ढका मुंह

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा सेलिब्रिटी कपल में से एक हैं। वे अक्सर अपनी पर्सनल औ प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी मजेदार झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री के पति ज़हीर इकबाल ने सोनाक्षी का एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया है जिसमें एक्ट्रेस को वायरल फीवर हुआ है और वो स्टीम लेती नजर आ रही हैं। जहीर बहुत फनी तरीके से सोनाक्षी के लिए गाना गा रहे हैं और उनका मजाक भी उड़ाते हैं। जहीर ने इस प्यारे से वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें अभिनेत्री अपने सिर पर एक तौलिया रखकर भाप लेती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि पति जहीर उन्हें रिकॉर्ड कर रहें हैं और गाना गा रहे हैं 'घूंघटे में चंदा है फिर भी है फैला चारों ओर उजाला, होश न खो दे कहीं जोर से खासने वाला।' तौलिए से अपना चेहरा ढकने वाली अभिनेत्री की तुलना उनके पति इकबाल ने चांद से की। इकबाल इस समय सोनाक्षी का भरपूर ख्याल रख रहे हैं। उसी क्लिप में बाद में वो सोनाक्षी पर खूब प्यार बरसाते हुए उनका माथा चूम लेते हैं। वीडियो पर उन्होंने एक फनी कैप्शन भी दिया है। जहीर ने लिखा- ये लड़की वायरल होने वाली है। आर राजकुमार अभिनेत्री ने स्टेटस के साथ खुशी से उछलने वाला इमोटिकॉन भी पोस्ट किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित आगामी लीगल ड्रामा में एक वकील की भूमिका के लिए तैयारी कर रही हैं।

अभी भी कम नहीं हो रहा दिलजीत दोसांझ का पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के लिए प्यार?

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने शाम को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म सरदार जी 3 के सेट से कुछ बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। इन फोटोज में पंजाबी एक्ट्रेस नीरू बाजवा और कई अन्य लोग नजर आए। हालांकि फैंस ने बैकग्राउंड में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर को स्पॉट कर लिया। हालांकि दिलजीत ने उन्हें सीधे अपने बीटीएस झलकियों में शामिल नहीं किया। यह उन शुरुआती रिपोर्टों के बीच आया है जिनमें कहा गया था। पहली तस्वीर में फैंस ने नोटिस किया कि हानिया नीरू के पीछे खड़ी हैं, उनके केवल छोटे बाल और आंखें दिखाई दे रही हैं। कई लोगों ने यह भी दावा किया कि दिलजीत एक अन्य तस्वीर में हानिया के साथ पोज़ दे रहे थे, जिसमें कथित तौर पर हानिया ने काली साड़ी पहनी हुई है। सिंगर ने उन्हें अपने पास पकड़ा हुआ है। कुछ लोगों ने तो यह भी अनुमान लगाया कि उनका चेहरा दिलजीत की काली टी-शर्ट पर दिखाई दे रहा है। हालांकि, हानिया आमिर के सरदार जी 3 में शामिल होने के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तस्वीरें शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'जग्गी खूबसूरत चुडेल्स के साथ। सरदार जी 3, 27 जून को रिलीज हो रही है। टीजर जल्द ही आ रहा है।' फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। फिल्म एक अनोखे डिटेक्टिव की कहानी है, जो एक रहस्यमयी और असामान्य केस को सुलझाने की कोशिश करता है। यह हंसी, सस्पेंस और मजेदार किरदारों से भरी एक फैमिली एंटरटेनर है। दिलजीत दोसांझ टाइटल रोल में है। इसके अलावा मूवी में उनके साथ डायना पेंटी, बोमन ईरानी, चंकी पांडे, रत्ना पाठक शाह, बनिता संधू और सुमीत व्यास जैसे शानदार सितारे नजर आएंगे।

'लाल सिंह चड्ढा' के बाद आमिर को ऑफर हुई थीं एक्शन फिल्में

सुपरस्टार आमिर खान अपनी फिल्मों में परफेक्शन के लिए जाने जाते हैं। मगर उनकी पिछली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। वो उनके करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित हुई थी। आमिर इस वजह से काफी निराश हो गए थे और एक्टिंग छोड़ने का फैसला भी कर चुके थे। लेकिन तभी उनके पास 'सितारे जमीन पर' आई, जिसकी कहानी वो बहुत जल्द लेकर आ रहे हैं। आमिर करीब 3 सालों बाद बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। वो इस दौरान फिल्में प्रोड्यूस कर रहे थे। मगर साथ ही 'सितारे जमीन पर' फिल्म में काम भी कर रहे थे। हाल ही में सुपरस्टार ने बताया कि उन्हें 'लाल सिंह चड्ढा' की फ्लॉप के बाद, कई सारी एक्शन फिल्मों के ऑफर आए थे। लेकिन उन्होंने उन सभी के अलावा 'सितारे जमीन पर' फिल्म को चुनना पसंद किया क्योंकि इसकी कहानी उनके दिमाग में छप चुकी थी। 'स्क्रीन' संग बातचीत में जब आमिर से पूछा गया कि क्या उन्हें आज के समय अनुसार 'सितारे जमीन पर' की कलेक्शन को लेकर चिंता है।

किंगफिशर विला में होती थीं विजय माल्या की ग्रैंड पार्टीज

अब है बॉलीवुड के स्टार कपल का आशियाना, जीते हैं ऐसी लाइफ

कभी भारत के 'गुड टाइम किंग' (अच्छे समय का राजा) कहे जाने वाले विजय माल्या, एक समय व्यापार जगत के सबसे चर्चित नामों में शुमार थे। यूनाइटेड ब्रुअरीज और किंगफिशर ब्रांड के प्रमुख चेहरे के रूप में उन्होंने न केवल शराब उद्योग में बल्कि खेल और एयरलाइंस जैसे विविध क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बनाई। साल 2008 में उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) की स्थापना की। हाल ही में जब RCB ने पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीती तो विजय माल्या ने सोशल मीडिया पर टीम को बधाई दी और उनके समर्पण की सराहना करते हुए फिर से चर्चा में आ गए। हालांकि विजय माल्या की कहानी केवल व्यापारिक सफलता की नहीं है, बल्कि विवादों, कानूनी लड़ाइयों और अंत में पतन की भी है। विजय माल्या के स्वामित्व वाली किंगफिशर एयरलाइंस जब घाटे में गई तो उन पर कई बैंकों से लिए गए कर्ज की चुकौती में विफल रहने का आरोप लगा। IDBI बैंक समेत विभिन्न बैंकों से लिए गए लगभग 900 करोड़ रुपये के कर्ज की वसूली के लिए जब कार्रवाई शुरू हुई तो साल 2016 में माल्या भारत छोड़कर यूनाइटेड

किंगडम चले गए। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों के एक समूह ने उनकी कई प्रॉपर्टी को जब्त करना शुरू किया, जिनमें गोवा स्थित उनका प्रसिद्ध किंगफिशर विला भी शामिल था। यह विला न केवल एक आलीशान आवास था, बल्कि पार्टी कल्टर और लग्जरी लाइफस्टाइल का सिंबल भी था। 12350 वर्ग फीट में फैली इस संपत्ति को 2017 में नीलामी के जरिए बेचा गया, जिससे माल्या की कहानी का एक और अध्याय समाप्त हुआ, लेकिन इस बार बॉलीवुड के रास्ते यह विला एक नई लाइफस्टाइल को अनुभव करने लगा। इस संपत्ति को खरीदा अभिनेता और व्यवसायी सचिन जोशी ने जिन्होंने अपनी अभिनेत्री पत्नी उर्वशी शर्मा के साथ मिलकर इसे 73.01 करोड़ रुपये में खरीदा था।

50 की उम्र में भी कुंवारी है अमीषा

शादीशुदा डायरेक्टर के प्यार में बर्बाद हुआ करियर, सालों तक...

बॉलीवुड में ऐसे कलाकारों की कमी नहीं है, जिन्होंने प्यार में धोखा खाया हो या फिर जिनका दिल टूटा हो। इनमें से कई कलाकार तो दिल टूटने के बाद अपनी जिंदगी में किसी और पार्टनर के साथ आगे बढ़ गए, लेकिन कई अब तक सिंगल हैं। आज ऐसी ही एक बॉलीवुड अदाकारा का जन्मदिन है, जिसने दिल टूटने के बाद अपने दिल के दरवाजे 12-13 साल के लिए बंद कर दिए और अब तक ये सिंगल ही हैं। हम बात कर रहे हैं अमीषा पटेल की, जो आज अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं। अमीषा पटेल ने एक ब्लॉकबस्टर फिल्म से अपना करियर शुरू किया था और अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहीं। आईये अभिनेत्री के जन्मदिन पर उनकी लव लाइफ पर एक नजर डालते हैं।

अमीषा पटेल पिछले दिनों बिजनेसमैन निर्वाण बिरला के साथ अपने कथित रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में थीं। उन्होंने निर्वाण के साथ अपनी कोजी तस्वीरें भी शेयर की थीं। हालांकि, एक समय था जब अमीषा एक शादीशुदा डायरेक्टर से दिल लगा बैठी थीं। हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर विक्रम भट्ट की, जिनसे प्यार करके अमीषा अपना अच्छा-खासा करियर बर्बाद कर बैठीं। अमीषा पटेल शादीशुदा डायरेक्टर विक्रम भट्ट से प्यार कर बैठी थीं, लेकिन कुछ ही सालों में इनका रिश्ता टूट गया। इस रिश्ते के चलते उनके परिवार से भी उनका रिश्ता काफी प्रभावित हुआ, लेकिन विक्रम भट्ट के लिए अमीषा ने सब दांव पर लगा दिया। अमीषा पटेल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि विक्रम भट्ट से अपने रिश्ते के चलते उनका करियर बर्बाद हो गया था। एक्ट्रेस ने कहा था कि इस रिश्ते के चलते वह एक दशक से ज्यादा समय तक आदमियों से दूर रहीं।

अमीषा पटेल बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत में विक्रम भट्ट से अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की थी और कहा था- 'ये ऐसी इंडस्ट्री है, जहां ईमानदारी का स्वागत नहीं किया जाता। और मैं उन लोगों में से हूं, जो बहुत ईमानदार हैं। मैं उनमें से हूं, जो अपने दिल की बात खुलकर कहने पर यकीन करती है। मुझे लगता है कि ये मेरे अंदर की सबसे बड़ी कमी रही है। मैंने दो रिश्तों को पब्लिकली एक्सेप्ट किया था। और इन दोनों रिश्तों ने मेरे करियर को प्रभावित किया। फिर मैंने 12-13 साल तक अपनी जिंदगी में किसी मर्द को जगह नहीं दी। उस वक्त मैं अपनी जिंदगी में सिर्फ और सिर्फ सुकून चाहती थी।'

मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, अमीषा पटेल के पेरेंट्स को जब विक्रम भट्ट से उनके अफेयर का पता चला तो वह काफी नाराज हो गए थे। एक्ट्रेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात का जिक्र करते हुए कहा था कि जब उनकी मां को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने चप्पलों से उनकी पिटाई कर दी थी। अमीषा ने कहा था- 'मेरी मां ने एक बार मेरी चप्पल से पिटाई की थी। उन्हें मेरे रिलेशनशिप का पता चल गया था। उन्होंने मुझे घर से तक निकाल दिया था।'

'रोहित-विराट के बाद अगर ये चमके तो..', शुभमन गिल और पंत को लेकर पूर्व इंग्लिश कप्तान के बेबाक बोल

एजेंसी ● नई दिल्ली

गिल नई जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने चुनौती बड़ी है। गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम बदलाव के दौर से गुजरी है और अब उसे नतीजे देने होंगे।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम के नेतृत्व का जिम्मा सौंप कर बीसीसीआई ने बड़ा फैसला लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में गिल भारतीय टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे।

इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरूआत करेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। गिल को रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। ऋषभ पंत इस सीरीज में उपकप्तान की भूमिका में होंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरूआत भी हो जाएगी।

माइकल वॉन का मानना है कि गिल को अपनी योग्यता साबित करनी होगी, विशेषकर विदेशी परिस्थितियों में। उन्होंने भरोसा जताया कि गिल दबाव से निपट सकते हैं। वॉन ने कहा- यह आधिकारिक हो चुका है कि शुभमन गिल भारतीय टेस्ट क्रिकेट का नया चेहरा हैं, जो इंग्लैंड सीरीज के लिए कप्तान के रूप में कदम रख रहे हैं। रोहित और कोहली जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद एक नए रूप वाली टीम के साथ एक युवा कप्तान पर भरोसा करना एक साहसिक कदम है।

गिल के पास साबित करने के लिए बहुत कुछ है खासकर घर से बाहर। लेकिन उन्होंने दिखाया है कि वह दबाव भरी परिस्थितियों में खुद को संयमित रख सकते हैं।

वॉन का मानना है कि इंग्लैंड का दौरा भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरूआत हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा- 'ऋषभ पंत के डिप्टी होने और अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब टीम के साथ, यह इंग्लैंड दौरा भारत की अगली पीढ़ी के लिए कुछ खास शुरूआत हो सकता है। अगर ये युवा खिलाड़ी इस अवसर पर खरे उतरते हैं तो आश्चर्यचकित न हों।'नई चुनौती के लिए तैयार गिल गिल नई जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने चुनौती बड़ी है। गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम बदलाव के दौर से गुजरी है और अब उसे नतीजे देने होंगे। दरअसल, भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है, ऐसे में सभी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या गिल-गंभीर की ये जोड़ी 18 साल का सूखा समाप्त कर पाएगी? भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी। उस वक्त तीन मैचों की सीरीज में भारत 1-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहा था। 2007 के बाद से भारतीय टीम चार बार इंग्लैंड दौरे पर गई, लेकिन जीत का स्वाद नहीं चख सकी।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया का दावा- कंगारुओं को नहीं मिली लॉर्ड्स में एंट्री, टीम इंडिया के अभ्यास को बताया कारण

एजेंसी ● लंदन

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 फाइनल का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। इस मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही टीमें जोरशोर से तैयारी कर रही हैं। फाइनल मुकाबला लॉर्ड्स में खेला जाएगा। हालांकि, इस मैच से पहले एक विवाद हो गया है। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया का दावा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को लॉर्ड्स में एंट्री नहीं मिली, क्योंकि वहां भारतीय खिलाड़ी प्रैक्टिस कर रहे थे। भारत को 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।यह मामला रविवार से पहले का बताया जा रहा है।

फॉक्स स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय टीम को लॉर्ड्स में अभ्यास की अनुमति ऑस्ट्रेलियाई टीम की कीमत पर दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई टीम को कथित तौर पर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में प्रशिक्षण की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को कहा गया कि 11 जून से शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए तैयारी शुरू होने की वजह से अभ्यास की जगह उपलब्ध नहीं है, जबकि भारतीय खिलाड़ी वहीं अभ्यास कर रहे थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को तीन घंटे प्रैक्टिस वेन्यू ढूंढने के लिए इधर उधर घूमना पड़ा।भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स में खेलेगी और इसकी शुरूआत 10 जुलाई से होगी। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को आखिरकार रविवार को लॉर्ड्स में एंट्री मिली और उन्होंने वहां अभ्यास किया। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने बाद में अपनी टीम की तैयारियों, योजनाओं और लॉर्ड्स में खेलते समय लगातार होने स्लेजिंग के बारे में बात की। कमिंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि फिलहाल अभ्यास के लिए सबसे अच्छा समय है। आसपास कोई दर्शक नहीं है, जो बहुत अच्छा है। मुझे यकीन है कि इस बार मैच सभ्य तर- ीके से होगा, क्योंकि एशेज सीरीज के दौरान मुकाबले में हमारे और इंग्लैंड टीम के खिलाड़ियों के बीच तनावपूर्ण माहौल था, लेकिन मुझे लगता है कि वहां बहुत से दर्शकों को सबक मिला होगा और मुझे यकीन है कि वे बहुत विनम्र होंगे।'

जीतो या हारो मुझे फर्क नहीं पड़ता... रिटायर हुए एक हफ्ता

एजेंसी ● नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सबको चौंका दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया, इसके पीछे की वजह उन्होंने खुद बताई है। क्लासेन ने कहा कि उन्हें लंबे समय से इस बात की परवाह नहीं थी कि दक्षिण अफ्रीका जीतता है या हारता है। साथ ही, कोच के बदलने और कॉन्ट्रैक्ट में दिक्कत आने से भी उन्होंने यह फैसला लिया। 33 साल के क्लासेन ने साउथ अफ्रीका के लिए 4 टेस्ट, 60 वनडे और 58 टी20 मैच खेले। उन्होंने तीनों फॉर्मेट में 3,000 से ज्यादा रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की जीत हार से फर्क नहीं पड़ता

हेनरिक क्लासेन ने आखिरकार अपने संन्यास के फैसले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा था जब उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि साउथ अफ्रीका की टीम जीत रही है या हार रही है। क्लासेन ने यह भी कहा कि वह 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक खेलना चाहते थे। लेकिन, वाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर के जाने और सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर होने के कारण उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहना पड़ा।क्लासेन ने कहा, 'मुझे लंबे समय से ऐसा लग रहा था कि मुझे अपने प्रदर्शन की कोई परवाह नहीं है। मुझे इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता था कि टीम जीत रही है या हार रही है। यह गलत जगह थी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले रॉब के साथ मेरी लंबी बातचीत हुई। मैंने उनसे कहा कि मेरे दिल में जो चल रहा है, उसे लेकर मैं अच्छा महस- ूस नहीं कर रहा हूं। मैं इसका ज्यादा आनंद नहीं ले रहा था।'क्लासेन ने आगे कहा, 'हमने अच्छे से बात की।

हमने 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप तक सब कुछ अच्छे से प्लान किया था। इसलिए जब उन्होंने कोच के पद से इस्तीफा दे दिया और उरअ के साथ कॉन्ट्रैक्ट को लेकर बातचीत योजना के अनुसार नहीं हुई, तो मेरे लिए यह फैसला लेना बहुत आसान हो गया।'गौरतलब है कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इस साल आईपीएल के ठीक बाद, विकेटकीपर बल्लेबाज ने साउथ अफ्रीका के लिए वाइट-बॉल फॉर्मेट से भी संन्यास ले लिया। क्लासेन ने 60 वनडे मैचों में 2141 रन बनाए। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे। खासकर, वह बीच के ओवरों में स्पिनरों पर खूब हमला करते थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में 174 रनों की शानदार पारी खेली थी।

सिर्फ युजवेंद्र चहल ही नहीं, ये तीन खिलाड़ी भी आईपीएल फाइनल हारने वाली तीन टीमों का हिस्सा रहे

नई दिल्ली: आईपीएल 2025 का शोर थम चुका है। पंजाब किंग्स को खिताबी मुकाबले में 3 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार मिली थी। पंजाब के लिए गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन पूरे टूनार्मेंट में कमाल करने वाले बल्लेबाज फेल रहे। इसका नतीजा हुआ कि टीम को 6 रनों से हार मिली। पंजाब की प्लेइंग इलेवन में युजवेंद्र चहल भी शामिल थे। पंजाब किंग्स तीसरी टीम है, जिसका हिस्सा रहते हुए चहल को खिताबी मुकाबले में हार मिली।

युजवेंद्र चहल 2016 में आरसीबी का हिस्सा थे। टीम को खिताबी मुकाबले में तब सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया था। इसके बाद चहल राजस्थान रॉयल्स में चले गए। 2022 सीजन का खिताबी मुकाबला राजस्थान और गुजरात टाइटंस के बीच हुआ था। वहां गुजरात ने बाजी मार ली। अब चहल तीसरी टीम की तरफ से फाइनल हार गए हैं।

2013 में चहल आईपीएल का खिताब जीत चुके हैं। तब वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे।युजवेंद्र चहल पहले खिलाड़ी नहीं हैं, जिन्हें तीन टीम से खेलकर फाइनल में हार मिली है। रविचंद्रन अश्विन ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी थे। वह चेन्नई सुपर किंग्स के साथ फाइनल हारे। इसके बाद 2020 में दिल्ली कैपिटल्स और 2022 में राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे। दोनों को फाइनल में हार मिली थी। इस लिस्ट में राहुल त्रिपाठी का नाम भी शामिल है। भारतीय टीम के लिए खेल चुके त्रिपाठी भी फाइनल हारने वाली तीन टीम का हिस्सा रहे हैं।आईपीएल में वह राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स में थे। उनकी टीम मुंबई इंडियंस से हार गई थी। इसके बाद वह 2021 में सीएसके से हारने वाली केकेआर की टीम में भी थे। 2024 सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए वह केकेआर से हारने वाली टीम में भी थे। अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन भी तीन टीम से फाइनल हारे हैं। 2010 में मुंबई इंडियंस, 2018 में सनराइजर्स हैदराबाद और 2020 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए।

ओक्लाहोमा सिटी थंडर के सेंटर यशायाह हार्टेनस्टीन (55) ओक्लाहोमा सिटी में एनबीए फाइनल बास्केटबॉल सीरीज के गेम 2 के पहले हाफ के दौरान इंडियाना पेसर्स फॉरवर्ड ओबी टॉपिन (1) के खिलाफ बचाव करते हुए।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी करने जा रही जॉन सीना की एक्स गर्लफ्रेंड

नई दिल्ली। निक्की बेला, महिला रेसलिंग की उन शुरूआती सितारों में से एक हैं जिन्होंने आज की पीढ़ी के लिए रास्ता बनाया। अब कुछ सालों बाद, निक्की हहए में लौट आई हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स पर फ्अह के पहले एपिसोड में वापसी की और 2025 के रॉयल रंबल मैच में भी हिस्सा लिया। मनी इन द बैंक के बाद निक्की बेला मंडे नाइट फ्अह में फिर से आ गई हैं। ऐसे में, उनके तीन संभावित प्रतिद्वंद्वी कौन हो सकते हैं? इसपर एक नजर डालते हैं। टिफनी स्ट्रैटन इस समय फ्राइडे नाइट स्मैकडाउन की टॉप स्टार हैं। वह हहए महिला चैंपियन भी हैं। निक्की बेला की तरह, टिफनी भी अपने करियर के शिखर पर हैं। उन्होंने निया जैक्स और शार्लेट फ्लेयर जैसी कई बड़ी रेसलर्स को हराया है। निक्की बेला भी इनसे लड़ चुकी हैं

नेशंस लीग जीतकर इमोशनल हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो फूट-फूटकर रोने लगे, कहा- देश से बढ़कर कुछ नहीं

एजेंसी ● म्यूनिख

स्पेन को नेशंस लीग के फाइनल में हराकर पुर्तगाल ने खिताब अपने नाम किया। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो उस समय भावनाओं पर काबू नहीं रख पाये। जब स्पेन के खिलाफ नेशंस लीग फुटबॉल के फाइनल में पुर्तगाल के गोलकीपर डिएगो कोस्टा ने अल्वारो मोराटा की चौथी पेनल्टी बचाई और फिर रुबेन नेवेस ने अपनी टीम की पांचवीं पेनल्टी को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित कर दी। टीम की जीत तय होते ही रोनाल्डो की आंखों में खुशी के आंसू छलक आये। उन्होंने कहा कि देश के लिए ट्रॉफी जीतने से बड़ा कुछ भी नहीं।

पुर्तगाल के इस 40 साल के कप्तान ने कहा, ह्यमैंने अपने क्लबों के साथ कई खिताब जीते हैं, लेकिन पुर्तगाल के लिए जीतने से बड़ा कुछ नहीं है।ह्व रोनाल्डो ने इस प्रतियोगिता में टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। रविवार को खेले गये फाइनल में उन्होंने मैच के 61वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर किया जिससे यह मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में खिंचा। पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से जीत दर्ज की। रोनाल्डो के लिए यह एक और

खिताब, अंतरराष्ट्रीय गोल के रिकॉर्ड में सुधार में कहीं बढ़ कर था।

वह मैच से पहले वार्म अप के लिए मैदान में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी थे। पुर्तगाल के समर्थकों ने जोर से शोर मचाकर उनका स्वागत किया। स्टेडियम में ज्यादातर समर्थकों ने उनके नाम की जर्सी पहन रखी थी।उन्होंने इससे पहले सेमीफाइनल में निर्णायक गोल कर जर्मनी के खिलाफ पुर्तगाल को 25 साल में पहली जीत दिलाई थी। उन्होंने इसके बाद फाइनल में भी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का रिकॉर्ड 138वां गोल कर प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। देश के लिए 221 वां मैच खेल रहे रोनाल्डो के 61वें मिनट में किये गये गोल से पहले स्पेन की टीम 2-1 से आगे थी। वह हालांकि थकान के हावी होने के बाद मैच के 88वें मिनट में मैदान से बाहर चले गये।रोनाल्डो ने कहा कि वह इस मुकाबले में चोट के साथ पहुंचे थे। उन्होंने कहा, ह्यमैंने वार्मअप के दौरान ही चोट को महसूस कर लिया था। मैं इस चोट को पिछले समय से यह महस- ूस कर रहा था। राष्ट्रीय टीम के लिए अगर मुझे अपना पैर तोड़ना पड़ता तो भी मैं संकोच नहीं करता। रोनाल्डो ने कहा, यह इस ट्रॉफी के लिए था, मुझे खेलना था और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उन्होंने कहा, ह्यमैं कई देशों में रहा हूं, मैंने कई क्लबों के लिए खेला है, लेकिन जब बात पुर्तगाल की आती है, तो यह हमेशा एक खास एहसास होता है।ह्वसऊदी अरब के अल-नासर के साथ उनका अनुबंध जून के अंत तक ही है और क्लब फुटबॉल को लेकर उनका भविष्य अनिश्चित है। उन्होंने सऊदी प्रो लीग में टीम के आखिरी मैच के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि ह्ययह अध्याय समाप्त हुआ।ह्व रोनाल्डो को क्लब विश्व कप में खेलने के लिए कई टीमों से लुभावने प्रस्ताव मिल रहे है लेकिन उन्होंने इसमें खेलने की अटकलों को शनिवार को ही खारिज कर दिया था। वह हालांकि पुर्तगाल के लिए खेलते रहेंगे।

एलबीडब्ल्यू आउट होने के बाद अश्विन ने गुस्से में महिला अंपायर से की बहस; बल्ला पटकते हुए लौटे

एजेंसी ● नई दिल्ली

अश्विन के नेतृत्व वाली डिंडीगुल ड्रैगंस का रविवार को आईड्रीम तिरुप्पुर तमिजहंस से सामना हुआ। इस मैच में अश्विन सिर्फ 18 रन बना सके। उन्हें आर साई किशोर ने एलबीडब्ल्यू आउट किया, जिस पर वह काफी नाराज नजर आए। गेंद लेग स्टंप से बाहर पिच हो रही थी, ऐसे में अंपायर का फैसला संदेह के घेरे में था।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन इन दिनों तमिल नाडु प्रीमियर लीग 2025 में खेलते नजर आ रहे हैं। रविवा को उनकी महिला अंपायर से बहस हो गई जिसके बाद उन्हें गुस्से में बल्ला पटकते भी देखा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।दरअसल, रविवार को अश्विन के नेतृत्व वाली डिंडीगुल ड्रैगंस का रविवार को आईड्रीम

तिरुप्पुर तमिजहंस से सामना हुआ। इस मैच में अश्विन सिर्फ 18 रन बना सके।

उन्हें आर साई किशोर ने एलबीडब्ल्यू आउट किया, जिस पर वह काफी नाराज नजर आए। गेंद लेग स्टंप से बाहर पिच हो रही थी, ऐसे में अंपायर का फैसला संदेह के घेरे में था। इसके बावजूद महिला अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया।पवेलियन लौटने से पहले अश्विन को मैदानी महिला अंपायर वेंकटेशन कृतिका से बहस करते देखा गया। लेकिन अंपायर ने उनकी एक नहीं सुनी, ऐसे में दिग्गज खिलाड़ी को पवेलियन लौटना पड़ा। मैदान से लौटते वक्त अश्विन ने अपना बल्ला पैड पर जोर से पटका। बता दें कि, कोयंबटूर में खेले गए इस मुकाबले में अश्विन की डिंडीगुल ड्रैगंस ने 93 रन बनाए थे। जवाब में आईड्रीम तिरुप्पुर तमिजहंस ने 11.5 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और नौ विकेट से मैच अपने नाम किया।

स्कॉटलैंड के ग्लासगो के ईस्ट एंड में राइडर्स ने महिलाओं के 2025 टूर ऑफ़ ब्रिटेन के चौथे चरण की शुरुआत की। इस प्रतियोगिता में हर साल सैकड़ों महिलाएं शामिल होती हैं।

शॉट न्यूज

हमले में मारे गए हमास लीडर का शव बरामद

तेल अवीव। मोहम्मद सिनवार हमास के सैन्य विंग का प्रमुख था और गाजा के यूरोपियन अस्पताल में एक सुरंग के अंदर छिपा हुआ था। 13 मई को इजराइली सेना और खुफिया एजेंसी शिन बेट ने वहां एक सटीक हमला किया था, जिसमें सिनवार और उसके साथ मौजूद रफा ब्रिगेड के कमांडर मोहम्मद शबाना मारे गए थे। आईडीएफ ने बताया कि हमले के बाद खोज अभियान में अस्पताल के नीचे बनी सुरंग से शव बरामद हुआ। वहां से सिनवार और शबाना के सामान और कुछ अहम दस्तावेज भी मिले हैं। मोहम्मद सिनवार, हमास के प्रमुख नेता याह्या सिनवार का छोटा भाई था।

कराची के लांधी एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन में आग लगी

कराची। कराची के लांधी एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन में रविवार को कॉस्मेटिक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, जो तेजी से पास की दो और फैक्ट्रियों तक फैल गई। हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें दमकलकर्मी और राहतकर्मी भी शामिल हैं। तीन फैक्ट्रियों को पूरी तरह असुरक्षित घोषित कर दिया गया है। दमकल विभाग की 20 से ज्यादा गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी हैं। अधिकारियों के मुताबिक, फैक्ट्री में ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग तेजी से फैली।

कनाडा में खालिस्तानियों का पत्रकार पर हमला

कनाडा। कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने एक पत्रकार मोचा बेजिरगन पर हमला कर दिया। मोचा ने बताया कि हमलावरों में एक शख्स शामिल था, जो पिछले एक साल से उनका पीछा कर रहा था और उसकी गतिविधियों पर ऑनलाइन निगरानी कर रहा था। मोचा ने कहा- मैं वैंकूवर में था जब यह घटना हुई। कई खालिस्तानी मुझे धमकाने लगे और मेरा फोन छीन लिया, मारपीट की। यह सब पुलिस के सामने हुआ। यह सिर्फ 2 घंटे पहले की बात है और मैं अभी भी कांप रहा हूं। मोचा ने बताया कि यह हमलावर ब्रिटेन का नागरिक है। साथ ही लंबे समय से मोचा को परेशान कर रहा था और उसके खिलाफ गंदी भाषा का भी इस्तेमाल कर रहा था।

सभी कार्यकर्ता हिरासत में, इजराइल लेकर जा रहे

इजराइल का ग्रेटा के जहाज पर कब्जा, 5 बोट ने समंदर में घेरा

तेल अवीव • एजेंसी

इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता और नोबेल पीस प्राइज विजेता ग्रेटा थनबर्ग और उनके जहाज को कब्जे में ले लिया है। आज

कब्जा

तड़के इजराइल की 5 स्पीड बोट्स ने जहाज को घेर लिया। इसके बाद सैनिकों ने जहाज पर चढ़कर उसे अपने कंट्रोल में ले लिया। यरुशलम पोस्ट के अनुसार, मैडलीन के संचालकों ने टेलीग्राम के जरिए बताया है कि आईडीएफ सुबह करीब 3 बजे नौका पर पहुंच गई थी। यहां मौजूद सभी लोगों को को कथित तौर पर गिरफ्तार कर लिया है और इजरायली नौसेना जहाज को अशदोद पोर्ट ले जा रही है। इससे पहले आईडीएफ ने अनुमान लगाया था कि जहाज इजरायली क्षेत्र में करीब एक घंटा पहले ही पहुंच जाएगा।रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल की नौसेना ने कथित तौर पर मैडलीन से संपर्क भी साधा था और अपना रास्ता बदलने के निर्देश दिए थे। यह जहाज गाजा के लोगों के

लिए राहत सामग्री लेकर जा रहा था। मैडलीन नाम के इस जहाज पर 12 लोग सवार हैं। सभी सेना की हिरासत में हैं। अब इस जहाज को गाजा की जगह इजराइल ले जाया जा रहा है। ग्रेटा और उनके साथियों ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि इजराइली सैनिकों ने उन्हें और उनके साथियों को इंटरनेशनल वाटर्स में अगवा कर लिया है। ग्रेटा अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही थीं। थनबर्ग अपनी टीम के साथ इटली के सिसली द्वीप से 1 जून को रवाना हुई थीं। ग्रेटा ने रवाना होने से पहले बयान दिया- अगर इंसानियत में उम्मीद बची है, तो हमें फिलिस्तीन के लिए आवाज उठानी होगी। यह मिशन मुश्किल और खतरनाक हो सकता है, लेकिन गाजा में जो हो रहा है, उस पर चुप रहना उससे भी ज्यादा बुरा है।

गाजा जा रहा मैडलीन मिशन क्या है - इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में राहत सामग्री की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा रखी है, जिससे वहां 23 लाख लोगों में से 93% भुखमरी का सामना कर रहे हैं। दर्जनों बच्चे भूख से मर चुके हैं। मैडलीन जहाज का मकसद इन लोगों तक मदद पहुंचाना था। यह यात्रा 'फ्रीडम फ्लोटिला' (एफएफसी) नाम के एक संगठन ने शुरू की थी, जो पहले भी गाजा को मदद पहुंचाने की कोशिश कर चुका है। ग्रेटा और उनका दल इजराइल की उस घेराबंदी का विरोध कर रहे हैं जो गाजा पर कई सालों से चल रही है। एफएफसी ने इसे एक शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध बताया था। उनके मुताबिक, जहाज पर सवार सभी कार्यकर्ता और चालक दल के सदस्य अहिंसा के सिद्धांत में प्रशिक्षित हैं और यह मिशन पूरी तरह से शांतिपूर्ण है।

इजराइल ने जहाज को क्यों रोका

शुरुआत में इजराइल इस जहाज को गाजा में डॉक करने की अनुमति देने के लिए विचार कर रहा था, बशर्ते कि यह सुरक्षा के लिए कोई सुरक्षा खतरा न बने। बाद में इजराइल सरकार ने अपना फैसला बदल लिया। इजराइल का तर्क था कि अगर एक बार मैडलीन जैसे जहाज को मंजूरी दी गई, तो आगे चलकर इस तरह की कोशिशों को बढ़ावा मिलेगा। इससे इजराइल के समुद्री प्रतिबंध कमजोर पड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ सकता है। इसलिए इजराइल पहले ही कह चुका था कि इस जहाज को गाजा तट से पहले ही रोक दिया जाएगा। इससे पहले भी FCC के कॉन्साइंस नाम के जहाज ने मई 2025 में एक और कोशिश की थी। हालांकि, इजराइल ने उसे परमिशन नहीं दी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल ने ब्रिटेन से गाजा की ओर आ रहे जहाज को रोकने की अपील की थी। हालांकि, ब्रिटेन ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी के मुताबिक ब्रिटेन ने इजराइल से इन यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। गाजा इस समय गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है। अक्टूबर 2023 से शुरु हुए इजराइली हमलों में अब तक 54,600 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

टमाटर के बाद अब जहरीले हुए अंडे!

अमेरिका में खाने की चीजों में तेजी से फैल रहा खतरनाक बैक्टीरिया

न्यूयॉर्क • एजेंसी

अमेरिका में खीरे, प्याज और टमाटर के बाद अब अंडे भी साल्मोनेला नाम की बैक्टीरिया से संक्रमित हो गए हैं। देश के अलग-अलग राज्यों से संक्रमण के आए दर्जनों मामलों ने अधिकारियों की नींदें उड़ा दी हैं। अंडों में साल्मोनेला के नमूने पाए जाने के बाद पूरे अमेरिका से लगभग 17 लाख अंडों को दुकानों से वापस बुलवा लिया गया है। देश में खाने की चीजों में तेजी से फैलते इस बैक्टीरिया की वजह की खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक कैलिफोर्निया सहित सात राज्यों में करीब 80 लोग जहरीले अंडों का सेवन कर बीमार हो गए। इनमें कई मामले गंभीर भी हैं। अब तक 21 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अंडों को दुकानों से हटवाए जाने के बाद अब लोगों से एहतियात बरतने की अपील की जा रही है। सरकार ने लोगों को सलाह दी है कि वे संक्रमित अंडों को या तो फेंक दें या उन्हें वापस स्टोर तक पहुंचा दें, जहां से कंपनी उन्हें संक्रमणमुक्त करने की प्रकिया के लिए भेजेगी। वहीं लोगों से संक्रमण फैलने से रोकने के लिए हाथों और अच्छी तरह धोने की अपील की जा रही है। अंडे खाने के बाद डिहाइड्रेशन या बुखार जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेने की भी सलाह दी गई है।

साल्मोनेला क्या है - अमेरिका की रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के मुताबिक साल्मोनेला एक हानिकारक माइक्रोऑर्गेनाइज्म है। इंसानी शरीर तक पहुंचाने के 12 से 72 घंटे के भीतर यह दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन को ट्रिगर कर सकता है। बच्चों, बुजुर्ग और कमजोरी इम्युनिटी सिस्टम वाले लोगों में यह गंभीर और घातक संक्रमण का कारण भी बन सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक फ्रीजिंग और सुखाने से बैक्टीरिया की वृद्धि को रोका जा सकता है।

ट्रम्प ने सुरक्षा का हवाला देकर लगाई रोक

अमेरिका में 12 देश के नागरिकों की एंट्री-बैन

वॉशिंगटन डीसी • एजेंसी

अमेरिका में आज से 12 देशों के नागरिकों की एंट्री पर बैन लागू हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 जून को इसे लेकर एक आदेश जारी किया था, जो आज से लागू होगा। 12 देशों के अलावा 7 देशों के नागरिकों पर आज से आंशिक रोक लागू होगी। ये

रोक

इमिग्रेशन और नॉन-इमिग्रेशन दोनों तरह के वीजा पर लागू होगी। ट्रम्प ने अपने इस फैसले के पीछे अमेरिकी लोगों की सुरक्षा और जान की हिफाजत का हवाला दिया था। ट्रम्प ने 4 जून को कहा था- अमेरिका को ऐसे विदेशी नागरिकों से सुरक्षित रखना जरूरी है जो आतंकवादी हमले करने, राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, नफरत फैलाने या इमिग्रेशन कानूनों का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक पूर्ण बैन का मतलब है कि उस देश के अधिकतर नागरिकों का अमेरिका में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित होता है। इनमें टूरिस्ट वीजा, स्टूडेंट वीजा, वर्क वीजा और इमिग्रेंट वीजा चाहने वाले लोग शामिल होते हैं। वहीं, आंशिक बैन का मतलब है कि उस देश के नागरिकों पर कुछ खास प्रकार के वीजा या एंट्री पर रोक लगाई जाती है, बाकी पर नहीं। यानी इमिग्रेंट वीजा नहीं मिलेगा, लेकिन टूरिस्ट

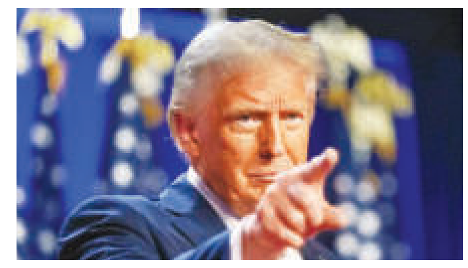

वीजा मिल सकता है। स्टूडेंट्स को परमिशन मिलेगी, लेकिन वर्क वीजा पर रोक रहेगी।

ट्रम्प ने कहा था- वीजा जारी करते वक्त सावधानी बरतें : ट्रम्प ने 4 जून को दूसरे देशों के नागरिकों को वीजा जारी करते वक्त सावधानी बरतने के लिए कहा था। उन्होंने कहा था कि वीजा जारी करते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे लोग अमेरिका न आ सकें, जो अमेरिकियों या देश के हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इमिग्रेशन वीजा पर आने वाले लोग स्थायी निवासी बन जाते हैं, इसलिए उनकी जांच ज्यादा जरूरी और कठिन होती है। सुरक्षा को खतरा होने पर भी इन लोगों को निकालना मुश्किल होता है। दूसरी तरफ नॉन-इमिग्रेशन वीजा पर आने वालों की जांच कम होती है। इसलिए जिन देशों में पहचान और जानकारी शेयर करने से जुड़ी व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं, वहां से आने वालों पर रोक लगाना जरूरी है।

ट्रम्प बोले- आतंकवाद को रोकने को लिए प्रतिबंध जरूरी

ट्रम्प ने आतंकवाद को रोकने के लिए इन प्रतिबंधों को जरुरी बताया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबंध इसलिए भी जरुरी हैं, ताकि विदेशी सरकारों से सहयोग मिल सके, इमिग्रेशन कानूनों को लागू किया जा सके और राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी नीति और आतंकवाद विरोधी कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके।

आदेश में अफगानिस्तान को लेकर बताया गया है कि वहां तालिबान का नियंत्रण है, जो एक आतंकवादी समूह है और पासपोर्ट या नागरिक दस्तावेज जारी करने के लिए कोई सक्षम या सहयोगी सरकार नहीं है। साथ ही, वहां उचित जांच-परख के तरीके भी नहीं हैं। आदेश के मुताबिक म्यांमार पर रोक की वजह है कि वहां के लोग वीजा एक्सपायर होने के बाद भी अमेरिका में रुके रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार से B1/B2 वीजा पर वाले 27.07% और F, M, J वीजा पर आने वाले 42.17% लोग तय वक्त से ज्यादा रुकते हैं। इसके अलावा, म्यांमार ने अमेरिका से निकाले गए नागरिकों को वापस लेने में सहयोग नहीं किया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)